सतना
21 जुलाई 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

देश से बढ़कर...
@ पेज 7

चंदन मिश्रा हत्याकांड-शूटर तौसीफ समेत 4 अरेस्ट

पटना ,एजेंसी। पटना के पारस अस्पताल में 17 जुलाई को हुई गैंगस्टर चंदन मिश्रा हत्याकांड के पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि, वारदात को अंजाम देने के बाद शूटर अलग अलग जगहों पर भाग गए थे। रेड कर के कई लोगों से पूछताछ की गई। इन लोगों की निशानदेही पर तौसीफ को गिरफ्तारी कोलकाता से की गई है। तौसीफ के मौसेरे भाई निशु खान के घर पर साजिश रची गई थी। तौसीफ पूर्व से अपराधी रहा है। निशु भी अपराधी है। इस कांड में हर्ष और भीम नाम के शख्स को भी पकड़ा गया है। इन दोनों ने तौसीफ के भगाने और छिपने में मदद की थी। तौसीफ पर 3, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस, हत्या की कोशिश के केस दर्ज हैं। निशु पर रंगदारी मांगने और हत्या के प्रयास के मामले दर्ज हैं। हर्ष और भीम दीघा के रहने वाले हैं। हर्ष और भीम निशु के साथ ही रहते थे।

उद्धव बोले- सरकार सेना की बहादुरी का श्रेय न लें

मुंबई ,एजेंसी। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल उठाया कि जब सेना ने साहस दिखाया, तो फिर सरकार ने उनके कदम क्यों रोके? क्या सरकार किसी दबाव में थी? उन्होंने कहा कि सेना की बहादुरी का श्रेय किसी सरकार को नहीं जाना चाहिए। उद्धव ने ये बातें पार्टी के मुखपत्र सामना को दिए इंटरव्यू में कहीं। दरअसल विपक्ष के सभी नेता 21 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर का मुद्दा उठाने वाले हैं। भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर डोनाल्ड ट्रम्प के दावों पर भी विपक्ष सरकार से जवाब चाहती है। ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया था कि, इस युद्ध में कम से कम 5 जेट मार गिराए गए थे। हालांकि ये जेट विमान किस देश के थे, इसका खुलासा नहीं किया। इसको लेकर राहुल ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया था- मोदी जी, 5 जहाजों का सच क्या है? देश को जानने का हक है! एक दिन पहले उद्धव ठाकरे के इंटरव्यू का पहला पार्ट आया था उद्धव के शिवसेना के मुखपत्र सामना को दिए इंटरव्यू का पहला पार्ट शनिवार को जारी हुआ था। इस दौरान ठाकरे ने कहा- ठाकरे एक ब्रांड नहीं महाराष्ट्र, मराठी मानुष और हिंदू अस्मिता की पहचान है।

अहमदाबाद में एक ही परिवार के 5 लोगों का सुसाइड

अहमदाबाद ,एजेंसी। अहमदाबाद जिले के बगोदरा गांव में शनिवार रात एक ही परिवार के 5 लोगों ने जहरीली दवा पीकर आत्महत्या कर ली। मरने वालों में पति, पत्नी और उनके तीन छोटे बच्चे शामिल हैं। मृतकों की पहचान विपुल वाघेला (32), उनकी पत्नी सोनल (26), बेटी करीना उर्फ सिमरन (11), बेटा मयूर (8) और बेटी प्रिंसी (5) के रूप में हुई है। ऑटो चलाते थे विपुल वाघेला बगोदरा बस स्टेशन के पास किराए के मकान में रहने वाले परिवार के मुखिया विपुल वाघेला ऑटो चलाकर परिवार का गुजर-बसर करते थे। प्राथमिक जांच में घर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसके चलते अब तक आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। हालांकि, सुसाइड का कारण आर्थिक तंगी बताया जा रहा है। पांचों ने रात में जहर खा लिया शनिवार की रात पांचों सदस्यों ने रात में जहर खा लिया था, जिससे सभी की मौत हो गई। सुबह घर से किसी सदस्य के बाहर न आने पर पड़ोसियों को शक हुआ। जांच करने पर सभी की मौत का पता चला। इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सिविल अस्पताल भेजे गए शव मकान मालिक वधाभाई अमराभाई बोलिया ने बताया- परिवार एक महीने से मेरे यहां रह रहा था। हमने ही सुबह पुलिस को फोन किया। सूचना मिलते ही अहमदाबाद ग्रामीण एसपी, धंधुका डिवीजन के एएसपी, एलसीबी पीआई, एसओजी पीआई और एफएसएल अधिकारियों सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का एक काफिला भी घटनास्थल पर पहुंचा।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सरकार बोली-जल्दबाजी में नतीजे न निकालें

नई दिल्ली/अहमदाबाद। अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया प्लेन हादसे में पायलट की गलती की खबरों को सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू ने गलत बताया है। नायडू ने विदेशी मीडिया से भी संयम बरतने की अपील की है। साथ ही जल्दबाजी में किसी नतीजे पर न पहुंचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा- एएआईबी की जांच जारी है। फाइनल जांच रिपोर्ट जारी होने तक कोई कमेंट न करें। अहमदाबाद प्लेन हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। नायडू की यह टिप्पणी विदेशी मीडिया की उन खबरों के बीच आई, जिनमें कहा गया कि हादसे की वजह पायलट की एक गलती थी। बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 को कैप्टन सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। दरअसल, अमेरिकी मीडिया हाउस वॉल स्ट्रीट जनरल ने 17 जुलाई को पब्लिश एक रिपोर्ट में आशंका जताई कि विमान के पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल ने दोनों इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों-सुरक्षा बलों के बीच एनकाउंटर शुरू

जम्मू ,एजेंसी। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, डाचन इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों के इलाके में छिपे होने की संभावना है। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। ऑपरेशन जारी है और अधिक जानकारी का इंतजार है। इससे पहले 26 जून को उधमपुर में बसंतगढ़ इलाके में जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकी मारा गया था। 23 अप्रैल को बारामूला के उरी सेक्टर में एलओसी के पास आतंकी घुसपैठ की कोशिश को गई थी। सेना ने 2 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना के अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने 2-3 आतंकियों को घुसपैठ की कोशिश करते देखा था। अखनूर में 12 अप्रैल को आतंकवादियों से मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए थे। अखनूर के केरी बट्टल इलाके में एक रात पहले एनकाउंटर शुरू हुआ था। इसके अलावा 11 अप्रैल को ही किश्तवाड़ के जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था।

राजस्थान के नागौर में सड़क पर मछलियां तैरीं

नई दिल्ली ,एजेंसी। राजस्थान में हो रही भारी बारिश आफत बन गई है। नागौर में तालाब भर गए हैं और पानी बाहर आ गया है, सड़क पर सैकड़ों मछलियां तैर रही है। वहीं, पिछले 24 घंटों में बारिश के कारण अलग-अलग हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई। यूपी में लगातार बारिश से गंगा, यमुना और मंदाकिनी जैसी नदियां उफान पर हैं। काशी में 84 घाट डूबने के बाद अब गंगा का पानी अस्सी घाट की सड़क तक पहुंच गया है। गंगा के साथ वरुणा नदी में बाढ़ आ गई है।

ब्रिटेन और मालदीव की 4 दिवसीय यात्रा पर जाएंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार से ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। इस यात्रा का उद्देश्य व्यापार, निवेश और रक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, अपनी यात्रा के पहले चरण में, मोदी लंदन जाएंगे और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर के साथ व्यापक वार्ता करेंगे।

रविवार को दोनों देशों की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी, स्टॉर्मर के साथ भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलुओं पर व्यापक चर्चा करेंगे, साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी करेंगे। मोदी की 23-24 जुलाई की ब्रिटेन यात्रा, इस देश की उनकी चौथी यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के महाराजा चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करने की संभावना है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, यात्रा के दौरान दोनों पक्ष व्यापार और अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और नवाचार, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों पर विशेष ध्यान देते हुए व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा भी करेंगे।

लंदन से मोदी मालदीव जाएंगे। वह मुख्य रूप से 26 जुलाई को मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने मालदीव जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के निमंत्रण पर 25 से 26 जुलाई तक मालदीव की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मुइज्जू आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा करेंगे और व्यापक आर्थिक एवं समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए भारत-मालदीव संयुक्त दृष्टिकोण के कार्यान्वयन में प्रगति का जायजा लेंगे। यह संयुक्त दृष्टिकोण पिछले साल अक्टूबर में मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान अपनाया गया था। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह यात्रा भारत द्वारा अपने समुद्री पड़ोसी, मालदीव को दिए जाने वाले महत्व को दर्शाती है, जो भारत की पड़ोसी पहले नीति और विजन महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) में एक विशेष स्थान रखता है। मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा दोनों पक्षों को घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा और मजबूत करने का अवसर प्रदान

देवेंद्र फडणवीस से मिले आदित्य ठाकरे

मुंबई। शिवसेना नेता और उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने शनिवार शाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों अलग-अलग कार्यक्रम के लिए 3 घंटे मुंबई के सोफिटेल होटल में थे। इस दौरान दोनों की करीब 1 घंटे तक बातचीत हुई। हालांकि, दोनों नेताओं ने किसी भी मीटिंग से इनकार किया है। सीएम ऑफिस के अनुसार मुख्यमंत्री होटल में मौजूद थे, लेकिन आदित्य ठाकरे से उनकी कोई मुलाकात नहीं हुई।

जयशंकर बोले- इमरजेंसी के आखिरी दिन यूपीएससी का इंटरव्यू दिया

नई दिल्ली ,एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को अपने यूपीएससी इंटरव्यू का किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि जिस दिन 21 मार्च 1977 को देश में इमरजेंसी खत्म की गई थी, उसी दिन उनका यूपीएससीका इंटरव्यू हुआ था। जयशंकर ने बताया कि वे उस समय 22 साल के थे और दिल्ली के शाहजहां रोड पर मौजूद यूपीएससी कार्यालय में इंटरव्यू देने वाले सुबह के पहले कैंडिडेट थे। दिल्ली में नए सिविल सेवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि उन्होंने उस इंटरव्यू से दो अहम बातें सीखीं, पहला- दबाव में कैसे बात करें। दूसरा, बबल में रहने वाले खास लोग, जो अपनी ही दुनिया में रहते हैं और असली हालात नहीं समझ पाते।

1. विदेश मंत्री ने इमरजेंसी के बाद का माहौल बताया जयशंकर ने कहा कि उस समय देश में चुनाव के नतीजे आ रहे थे। इमरजेंसी की हार का माहौल था। यह संयोग केवल तारीख का नहीं था, बल्कि एक राजनीतिक बदलाव की लहर उनके साक्षात्कार का हिस्सा भी बन गई थी।

थरूर बोले-पहली वफादारी देश के लिए, पार्टी के लिए नहीं

नई दिल्ली ,एजेंसी। कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने कहा कि किसी भी नेता की पहली वफादारी देश के प्रति होनी चाहिए, पार्टी के प्रति नहीं। थरूर शनिवार को कोच्चि में शांति, सद्भाव और राष्ट्रीय विकास पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। थरूर ने कहा कि पार्टियां सिर्फ एक रास्ता हैं, देश को बेहतर बनाने का जरिया हैं। अगर देश ही नहीं बचेगा, तो पार्टियों का क्या फायदा? इसलिए जब देश की सुरक्षा का सवाल हो, तब सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा- जब हम कहते हैं कि देश के लिए दूसरे दलों से मिलकर काम करना चाहिए, तो कुछ लोग इसे पार्टी से गद्दारी समझ लेते हैं। यही सबसे बड़ी दिक्कत है। राजनीति में मुकाबला चलता रहता है, लेकिन मुश्किल वक्त में सभी को एकजुट होना चाहिए। थरूर ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की तारीफ की थी और ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार व सेना का समर्थन किया था। इसके बाद कांग्रेस पार्टी में उनके बयान को लेकर नाराजगी दिखी थी। शशि थरूर ने 10 जुलाई को मलयालम भाषा के अखबार 'दीपिका' में प्रकाशित आर्टिकल लिखा था कि इमरजेंसी को सिर्फ भारतीय इतिहास के काले अध्याय के रूप में याद नहीं किया जाना चाहिए।

पंजाब में आप की महिला विधायक का इस्तीफा नामंजूर

चंडीगढ़ ,एजेंसी। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने खरड़ से महिला विधायक अनमोल गगन मान का इस्तीफा नामंजूर कर दिया है। उनके इस्तीफे और राजनीति छोड़ने के ऐलान के 24 घंटे के भीतर पार्टी के प्रदेश प्रधान अमन अरोड़ा मान के घर पहुंचे। इसके बाद अरोड़ा ने कहा- मान से पारिवारिक माहौल में मुलाकात हुई। पार्टी ने विधायक पद से उनका इस्तीफा नामंजूर करने का फैसला किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। उन्होंने उनसे पार्टी और क्षेत्र की प्रगति के लिए मिलकर काम करते रहने का आग्रह किया। बता दें कि अनमोल गगन मान पंजाब की मशहूर सिंगर व मॉडल रह चुकी हैं। इसके लिए उन्होंने अपनी पढ़ाई तक छोड़ दी थी। इसके बाद वह मिस वर्ल्ड पंजाबण कंपीटिशन में मिस मोहाली भी रहीं।

फ्लाइट पकड़ने की जल्दबाजी में पत्नी को भूले शिवराज सिंह

जूनागढ़ ,एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को जूनागढ़ में एक दिलचस्प जल्दबाजी कर बैठे। वे पत्नी साधना सिंह को छोड़कर 22 गाड़ियों के काफिले के साथ जूनागढ़ से राजकोट की ओर रवाना हो गए। एक किलोमीटर दूर पहुंचे ही थे कि ख्याल आया-पत्नी तो साथ में हैं ही नहीं। इसके बाद काफिला तुरंत यू-टर्न लेकर मूंगफली शोध केंद्र लौटा, जहां साधना सिंह वेटिंग रूम में बैठी थीं। दरअसल, शिवराज पत्नी के साथ गुजरात के धार्मिक व सरकारी दौरे पर थे। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग और गिर के सिंहदर्शन के बाद शनिवार को मूंगफली शोध केंद्र में किसानों व 'लखपति दीदी' योजना से जुड़ी महिलाओं से संवाद कार्यक्रम था। उन्हें रात 8 बजे राजकोट से फ्लाइट पकड़नी थी और रास्ता खराब होने के कारण वे हड़बड़ी में थे। कार्यक्रम के मंच पर बार-बार घड़ी देखते रहे। खुद माइक से कहा- राजकोट का रास्ता खराब है, अगली बार फुर्सत से आऊंगा।

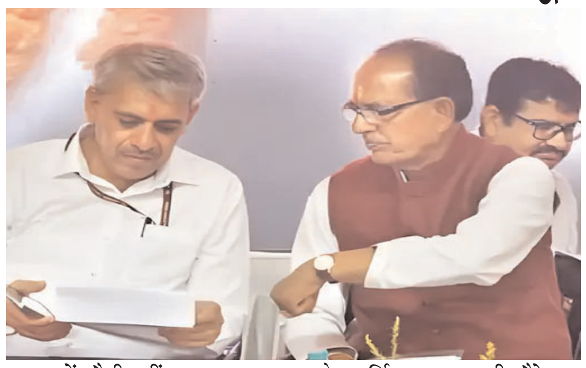

अमृतसर में 80 करोड़ की हेरोइन जब्त

अमृतसर ,एजेंसी। पंजाब में नशा तस्करी के खिलाफ चल रही मुहिम को आज बड़ी कामयाबी मिली है। नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने अमृतसर के छेहर्टा इलाके में एक युवक को 15 किलो 400 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त की गई हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 80 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रभजीत सिंह पुत्र कवलजीत सिंह, निवासी गांव मोदे, हलका अटारी, अमृतसर के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, वह स्विफ्ट कार से पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगवाई गई हेरोइन को लेकर अमृतसर की ओर जा रहा था।

रास्ते में पुलिस ने गाड़ी रोकी और तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद की। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

कांवड़ यात्रा में नमो भारत ट्रेन बनी वरदान, यात्रियों की संख्या में 40 प्रतिशत बढ़ोतरी

नई दिल्ली ,एजेंसी। सावन की कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली-मोदीनगर-मेरठ मार्ग पर यातायात व्यवस्था बदल दी गई है। हाईवे की एक तरफ कांवड़िए चल रहे हैं, तो दूसरी तरफ से आने-जाने वाले वाहन गुजर रहे हैं। इससे मोदीनगर, मुरादनगर सहित कई इलाकों में लंबा जाम लग रहा है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। ऐसे में, मेरठ साउथ स्टेशन से न्यू अशोक नगर तक चल रही नमो भारत ट्रेन मोदीनगर, मेरठ और मुरादनगर के लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। पिछले कुछ दिनों में नमो भारत ट्रेन में यात्रा करने वालों की संख्या में 40 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दिल्ली से मेरठ तक नमो भारत कॉरिडोर का निर्माण कर रही एनसीआरटीसीके सीपीआरओ पुनीत वत्स के अनुसार, कांवड़ यात्रा के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन की फ्रीक्वेंसी पहले ही बढ़ा दी गई थी। कांवड़ यात्रा से पहले नमो भारत ट्रेन हर 15 मिनट पर आती थी, जबकि अब यह 10 मिनट के अंतराल में स्टेशन पर पहुंच रही है। मोदीनगर, मुरादनगर और मेरठ के आसपास रहने वाले लोग जो रोज़ाना गाजियाबाद, नोएडा या दिल्ली नौकरी करने या दूसरे कामों से जाते हैं

कांग्रेस बोली- पहलगाम-सीजफायर पर मोदी जवाब दें

नई दिल्ली ,एजेंसी। सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले रविवार को सभी दलों की बैठक हुई। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा- इस सत्र में हम पहलगाम हमले, सीमाओं पर संघर्ष, ट्रम्प का सीजफायर दावा, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे मुद्दों को उठाएंगे। प्रधानमंत्री सरकार के प्रमुख होते हैं, उनकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वे संसद के जरिए इन मुद्दों पर देश को जानकारी दें। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- सदन चलाना सभी की जिम्मेदारी है। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। साथ ही डोनाल्ड ट्रम्प के ऑपरेशन सिंदूर पर किए दावों पर भी उचित जवाब देगी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में डेढ़ घंटे से ज्यादा चली मीटिंग में कई वरिष्ठ मंत्री, एनडीए और विपक्षी दलों के नेता मौजूद रहे। मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण बिलों पर चर्चा और पास करने का काम किया जाएगा। केंद्र सरकार मानसून सत्र में 8 विधेयक (बिल) पेश करने जा रही है।

आयुष्मान कॉर्ड बनाने में बालाघाट प्रदेश में पहले स्थान पर

भोपाल ,एजेंसी। आयुष्मान योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने का विशेष अभियान पूरे देश में 14 अप्रैल 2025 से प्रारंभ किया गया है। इस अभियान में सर्वाधिक आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में बालाघाट जिला 81 प्रतिशत उपलब्धि के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर है। बैतूल जिला 78 प्रतिशत के साथ दूसरे एवं अनुपपुर जिला 77 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है।बालाघाट जिले में कलेक्टर श्री मृणाल मीणा के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ के निर्देशन में इस कार्य को एक मिशन के रूप में किया जा रहा है। बालाघाट जिले में 1 लाख 31 हजार 468 पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने है। 16 जुलाई तक जिले में 1 लाख 7 हजार 54 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाकर बालाघाट ने पहला स्थान पाया है। मध्यप्रदेश में 16 जुलाई तक 5 लाख 66 हजार 967 आयुष्मान कार्ड बनाये का लक्ष्य है। जिसमें से केवल बालाघाट जिले में 1 लाख 7 हजार 54 कार्ड बनाये गए है। इस प्रकार देखा जाए तो प्रदेश में बने हर पांच आयुष्मान कार्ड में एक कार्ड बालाघाट जिले का बना है। इस उपलब्धि को हासिल करने में स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास एवं महिला एवं बाल विकास विभाग का विशेष योगदान रहा है। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के व्यक्ति को एक साल में 5 लाख रुपये तक के मुफ्त उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है। योजना में आयुष्मान कॉर्ड धारक व्यक्ति का उपचार योजना में पंजीकृत अस्पताल में किया जाता है। मरीज के उपचार पर आए खर्च की राशि शासन द्वारा संबंधित अस्पताल को प्रदान कर दी जाती है।

वाल्मी में अल्पविराम आनंद कार्यशाला

भोपाल ,एजेंसी। आनंद विभाग द्वारा तीन दिवसीय आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण कार्यशाला का वाल्मी, भोपाल में आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों ने नकारात्मक विचार छोंड़ने तथा व्यवहार से रिश्तों में सुधार करने का निर्णय लिया। प्रतिभागियों ने कहा कि सगे संबंधियों को भी इस कार्यशाला से जुड़ने का अवसर मिले जिससे कि उनके जीवन में आनंद का प्रसार हो। राज्य आनंद संस्थान द्वारा 'खाद्य, नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अधिकारियों के लिए कार्यक्रम में भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक रूप से अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया गया, जिससे वे जनसेवा के रूप में बेहतर योगदान दे सकें। प्रशिक्षण में मानसिक स्वास्थ्य, कार्य में आनंद, सकारात्मक सोच तथा सामूहिक सहभागिता जैसे विषयों पर ध्यान दिया गया। विभिन्न जिलों से 'खाद्य, नागरिक, आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के कुल 56 अधिकारी/कर्मचारी इस कार्यशाला में शामिल हुए। सत्र संचालन में राज्य आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर श्री गणेश कनाडे, श्री संतोष तिवारी, श्रीमती मुक्ति राय, श्रीमती पुष्पेंद्र सिसोदिया , सुश्री श्रद्धा ठाकुर तथा कार्यक्रम संयोजक के रूप में श्री प्रदीप महतो उपस्थित रहे। राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग के डायरेक्टर श्री सत्य प्रकाश आर्य ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

यूरो प्रतीक कंपनी को हड़पने की साजिश का मामला

भोपाल ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कटनी स्थित यूरो प्रतीक इस्पात कंपनी को हड़पने की साजिश रचने के मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए तीन आरोपी निदेशकों की गिरफ्तारी की राह साफ कर दी है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मामले की जांच सीआईडी से हटाकर पुन: कटनी पुलिस को सौंपने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश कंपनी के डायरेक्टर सुरेन्द्र सिंह सलूजा की ओर से दाखिल विशेष अनुमति याचिका पर सुनाया गया। सलूजा ने आरोप लगाया था कि कंपनी के अन्य निदेशक हिमांशु श्रीवास्तव, सन्मति जैन, सुनील अग्रवाल और सेक्रेटरी लाची मित्तल ने कटनी विधायक संजय पाठक के पूर्व कर्मचारी महेन्द्र गोयनका के षड्यंत्र पर कंपनी पर कब्जा करने की साजिश रची।

मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा दो दिवसीय प्रबंधन कैम्पिंग प्रशिक्षण सम्पन्न

भोपाल ,एजेंसी। मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा सीहोर जिले के वन मण्डल अंतर्गत ग्राम कठौतिया ईको जंगल कैम्प में दो दिवसीय गंतव्य स्थल प्रबंधन एवं कैम्पिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य ईको पर्यटन स्थल पर कार्यरत समिति सदस्यों को रोजगार के नये आयाम विकसित करना, स्थल पर आने वाले पर्यटकों को वन एवं वन्य-जीव पर्यावरण के संबंध में शिक्षित करना और स्थल के आसपास के सभी गाँवों को वनों को संरक्षित करने के लिये जागरूक करना है। प्रशिक्षण में मुख्य कार्यपालन अधिकारी ईको पर्यटन विकास बोर्ड डॉ. समिता राजौरा ने सभी प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के 12 ईको पर्यटन गंतव्य स्थलों, जिनमें सापना ईको पर्यटन स्थल वन मण्डल दक्षिण बैतूल, मगरपाठ व कठौतिया ईको पर्यटन स्थल वन मण्डल सीहोर, बोदाखो व समर्धा ईको पर्यटन स्थल वन मण्डल भोपाल, चिड़ीखो अभयारण्य वन मण्डल राजगढ़, देलावाड़ी ईको पर्यटन स्थल रातापानी टाइगर रिजर्व, उमरीखेड़ा ईको पर्यटन स्थल वन मण्डल इंदौर, देवखो कूनो वन्य-प्राणी अभयारण्य, चारखेड़ा ईको पर्यटन स्थल वन मण्डल खण्डवा, पनपथा ईको पर्यटन स्थल बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व और खिवनी अभयारण्य वन मण्डल देवास से आये कुल 49 सदस्यों, वन परिक्षेत्र अधिकारी, वन रक्षक, समिति अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सदस्य ने प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण के पहले सत्र में ईको पर्यटन समिति का गठन एवं संचालन, समिति सदस्यों की चयन प्रक्रिया, समिति गठन की प्रक्रिया, समिति सदस्यों तथा अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष का दायित्व एवं कर्त्तव्य, प्रत्येक माह में समिति की बैठकों का रजिस्टर संधारण, संघर्ष प्रबंधन, सेवा प्रदाता का चयन और कानूनी अनुपालन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे सत्र में अतिथि सत्कार प्रबंधन, अतिथि रवानगी, स्टोर प्रबंधन, किचन प्रबंधन, कैम्प साइड प्रबंधन, टॉयलेट प्रबंधन, तीसरे सत्र में साइड प्रबंधन, साफ-सफाई एवं स्वच्छता प्रबंधन, बुनियादी सुविधा, भण्डार प्रबंधन, सुरक्षा प्रबंधन, ट्रेकिंग एवं कैम्पिंग आदि के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। ईको पर्यटन के अंतर्गत गतिविधियों में प्राकृतिक पथ-भ्रमण, पक्षी-दर्शन, विलेज वॉक, रात्रि जंगल वॉक, साहसिक गतिविधि, सेल्फी पाइंट और बैलगाड़ी की सैर इत्यादि शामिल है। प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी दिये गये।

मध्यप्रदेश के 10 जिले अटल पेंशन योजना में टॉप टेन में

भोपाल ,एजेंसी। देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को 60 वर्ष की आयु के बाद एक निश्चित पेंशन राशि प्रदान करने के लिए अटल पेंशन योजना चलाई जा रही है। योजना में अधिक से अधिक असंगठित क्षेत्र के लोगों को जोड़ने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा पूरे देश में विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में नए लोगों को जोड़ने और उनका पंजीयन कराने में मध्यप्रदेश के 10 जिलों ने देश के टॉप टेन जिलों में स्थान बनाया है। इसमें बालाघाट जिले ने देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि राज्य के साथ ही बालाघाट के लिए भी बड़ी उपलब्धि है। इस अभियान का फाइनल स्कोर पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण के द्वारा 18 जुलाई को जारी किया गया। इस अभियान में बालाघाट जिले ने 2992 लक्ष्य के विरूद्ध 12 हजार 507 लोगों को अटल पेंशन योजना से जोड़कर 418 प्रतिशत उपलब्धि हासिल किया है। श्योपुर जिले ने 836 के विरूद्ध 2538 लोगों को जोड़कर 304 प्रतिशत उपलब्धि के साथ दूसरे, अलीराजपुर जिले ने 880 के विरूद्ध 1705 लोगों को जोड़कर 194 प्रतिशत उपलब्धि के साथ तीसरे, उज्जैन जिले ने 5676 के विरूद्ध 10813 लोगों को जोड़कर 191 प्रतिशत उपलब्धि के साथ चौथे, अनूपपुर जिले ने 1342 के विरूद्ध 2542 लोगों को जोड़कर 189 प्रतिशत उपलब्धि के साथ पांचवे, उमरिया जिले ने 990 के विरूद्ध 1819 लोगों को जोड़कर 184 प्रतिशत उपलब्धि के साथ छटवें, छिंदवाड़ा जिले ने 4994 के विरूद्ध 9148 लोगों को जोड़कर 183 प्रतिशत उपलब्धि के साथ सातवें, डिंडोरी जिले ने 946 के उपलब्धि के साथ नौवें और दमोह जिले ने 1870 के विरूद्ध 3314 लोगों को जोड़कर 177 प्रतिशत उपलब्धि के साथ देश में दसवां स्थान हासिल किया है। अभियान के अंतर्गत अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक लोगों के नाम जोड़ने मे देश में प्रथम 10 स्थान पर रहे इन जिलों को अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस प्रदान किया जाएगा।

भोपाल में पीएमश्री एमएलबी स्कूल की लास में गिरा छत का प्लास्टर, दो छात्राएं घायल

भोपाल ,एजेंसी। भोपाल के एक पीएमश्री स्कूल में चलती कक्षा के दौरान छत का प्लास्टर छात्राओं पर गिरने से हड़कंप मच गया। सभी छात्राएं और शिक्षक कक्षा से निकलकर बाहर आ गए। इस हादसे में दो छात्राएं घायल हो गईं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह मामला भोपाल के बरखेड़ा स्थित शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्कूल (एमएलबी) का है। इस स्कूल का चयन पीएमश्री स्कूल के रूप में तीन साल पहले हुआ था, लेकिन अब तक स्कूल भवन की मरम्मत और सुधार कार्य नहीं किया गया, जिसके चलते यह हादसा हुआ। बता दें कि इसी स्कूल में बीते शुक्रवार 11 जुलाई को भी एक कक्षा में छत का प्लास्टर गिरा था। शुक्र है कि उस दौरान कक्षा में कोई विद्यार्थी या शिक्षक उपस्थित नहीं था। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए स्कूल प्रबंधन ने जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को एक शिकायत पत्र लिखा था, इसके बावजूद सुधार कार्य नहीं किया गया। बल्कि यह निर्देश दे दिए गए कि इन कमरों में कक्षाएं न लगाई जाएं। स्कूल प्राचार्य स्मिता मेश्राम ने बताया कि स्कूल की कक्षाओं में वर्षा के बाद से ही सीलन की समस्या बनी हुई है,

जिसकी सूचना पहले ही दी जा चुकी थी, लेकिन विभाग कोई सुधार कार्य नहीं कर रहा है।छात्राओं ने बताया कि स्कूल में बने शौचालयों की भी हालत बेहद खराब है, वह गंदे पड़े रहते हैं। लोहे के दरवाजे नीचे से गल गए हैं, दीवारों पर भी सीलन है। हर साल वर्षा में यही स्थिति होती है। वहीं, शिक्षकों ने बताया कि पूरे स्कूल में सीलन की समस्या है।

कई कमरों की छत का प्लास्टर गिर रहा है।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से समय पर मिला जीवनदायक उपचार

भोपाल ,एजेंसी। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा जनहित में सशक्त भूमिका निभा रही है। आपातकाल में उन्नत चिकित्सा सेवा मुहैया कराने में बहुमूल्य समय की बचत कर जीवन संरक्षण किया जा रहा है। सिंगरौली जिले के श्री लाल कृष्ण वैश्य (31 वर्ष) को गंभीर अवस्था में जबलपुर से इंदौर स्थित आयुष्मान भारत से सम्बद्ध अस्पताल में एयर एम्बुलेंस सेवा से सफलतापूर्वक एयर लिफ्ट किया गया। श्री लाल कृष्ण सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए थे, जिससे उनके पूरे शरीर का पक्षाघात (पैरालिसिस) हो गया। मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर होने के कारण सड़क

या रेल मार्ग से परिवहन जोखिमपूर्ण था। इस स्थिति में एयर एम्बुलेंस सेवा ही एकमात्र सुरक्षित विकल्प था, जिसने समय रहते उन्हें उन्नत उपचार के लिए इंदौर पहुँचाया और उनकी जान बचाई जा सकी।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं, औद्योगिक हादसों एवं प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित मरीजों को त्वरित एवं सुरक्षित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना है। यह सेवा राज्य के नागरिकों के लिए एक अत्यंत उपयोगी और जीवन रक्षक सुविधा बन चुकी है। सेवा के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड धारकों को नि:शुल्क वायु परिवहन की सुविधा दी जाती है, अन्य नागरिकों के लिए भी निर्धारित परिस्थितियों में सुलभ दरों पर यह सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

आयुष्मान कार्डधारी मरीजों को राज्य के भीतर या बाहर शासकीय एवं आयुष्मान सम्बद्ध अस्पतालों में नि:शुल्क एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध है। गैर-आयुष्मान कार्डधारकों को राज्य में नि:शुल्क तथा राज्य के बाहर अनुबंधित दरों पर सशुल्क परिवहन सुविधा दी जाती है।

राज्यमंत्री गौर ने विभिन्न वार्डों में संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा की

भोपाल ,एजेंसी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमण हटाने के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि निकाय अधिकारी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से करें। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने इच्छापूर्ण महादेव मंदिर, सोनागिरी ए-सेक्टर में रोड, नाली,

शेड और पार्क की बाउंड्रीवाल का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। आनंद नगर मल्टी का कार्य नवंबर तक पूर्ण करने और उसका नाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखने का सुझाव दिया। विभिन्न कॉलोनियों में सीवेज चैंबर की सफाई, सीसी रोड एवं स्ट्रीट लाइटों के लिए इस्टीमेट तैयार करने को कहा गया।

इंद्रपुरी ए-सेक्टर में रोड निर्माण, मंदिर की छत और फ्लोरिंग, सीवेज लाइन सुधार के निर्देश दिए। नवोदा कैंसर हॉस्पिटल के पास गंदगी फैलाने पर नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए। अमृत 2.0 योजना से सीवेज लाइन जोड़ने, पार्कों की सफाई, गड्ढों की मरम्मत व अतिक्रमण हटाने पर भी जोर दिया गया। इंद्रपुरी सी-सेक्टर में दुकानदारों द्वारा किए गए 10-10 फीट तक के अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए और कार्यवाही के दौरान पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया। सतनामी नगर, अर्जुन नगर, रोजवुड कॉलोनी आदि में नाले और सड़कों के निर्माण के लिए अतिक्रमण हटाने और स्ट्रीट लाइट कार्य में तेजी लाने के आदेश भी दिए गए। बैठक में श्री लवकुश यादव, पार्षद श्रीमती ममता विश्वकर्मा, श्रीमती छाया ठाकुर, श्री संतोष ग्वाला सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में चावल की जगह गेहूं की मात्रा बढ़ाएं-खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल ,एजेंसी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत पात्र हितग्राहियों को दिये जा रहे खाद्यान्न में चावल की जगह गेहूं की मात्रा बढ़ाई दी जाये। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश में चावल की जगह गेहूं का उपयोग बहुतायत में होता है। समय - समय पर यह देखने में आता है कि कुछ व्यापारी हितग्राहियों को प्रलोभन देकर उनसे कम दाम में चावल खरीद लेते है, जिससे बाजार में दुरूपयोग की घटनाएं सामने आती हैं। इस समस्या के समाधान के लिये मप्र में पात्र हितग्राहियों को दिये जाने वाले खाद्यान्न में गेहूं की मात्रा बढ़ाई जाना हितकारी होगा।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने यह सुझाव नई दिल्ली में केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रहलाद जोशी से भेंट के दौरान दिया।केन्द्रीय खाद्य मंत्री श्री जोशी को मध्यप्रदेश में उपार्जन केंद्रों में सुविधाओं के विस्तार और गुणवत्ता सुधार के संबंध में किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। साथ ही बताया कि प्रदेश में विकेन्द्रीयकृत उपार्जन योजना के तहत समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं में से सरप्लस मात्रा उपार्जन अवधि के पश्चात् गोदामों से सी-मोड में भारतीय खाद्य निगम को प्रदान की जाती है। वर्ष 2021-22 के लिये 2.89 प्रति क्विंटल लोडिंग एव हेण्डलिंग व्यय की स्वीकृति नहीं की गई थी। मंत्री श्री राजपूत ने अनुरोध किया कि भारतीय खाद्य निगम द्वारा गोदामों से उठाव किये गये गेहूं की लोडिंग एवं हेण्डलिंग व्यय की राशि अभी तक स्वीकृत नहीं की गई है, जिसे शीघ्र जारी किया जाये।

डीईओ की लापरवाही से नहीं मिली बीमा राशि, मृत छात्रा के पिता को 18 साल बाद मिला न्याय

भोपाल ,एजेंसी। बैतूल जिले के सरकारी स्कूल की एक छात्रा की दुर्घटना में मृत्यु के बाद भी उसके परिवार को विद्यार्थी सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत बीमा राशि नहीं दी गई। 18 साल बाद राज्य उपभोक्ता आयोग ने छात्रा के पिता को न्याय देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को दोषी मानते हुए 35 हजार रुपये हर्जाना देने का आदेश सुनाया। मामला बैतूल जिले के उड़दन ग्राम का है, जहां के निवासी कुंजीलाल कुमरे ने डीईओ और द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के खिलाफ आयोग में अपील लगाई थी। आयोग के सदस्य डॉ. श्रीकांत पांडेय और डॉ. मोनिका मलिक की बेंच ने यह स्पष्ट किया कि छात्रा बीमा की हकदार थी और उसकी मृत्यु के 15 दिन के भीतर बीमा राशि का भुगतान किया जाना चाहिए था। बता दें कि इससे पहले जिला उपभोक्ता आयोग ने छात्रा के पिता के खिलाफ में निर्णय सुनाया था, जिसके बाद राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील की गई थी। बीमा कंपनी ने दलील दी कि डीईओ ने निर्धारित समय पर प्रीमियम राशि जमा नहीं की थी, इस कारण पालिसी प्रभाव में नहीं रही। कंपनी ने यह भी कहा कि पालिसी की अवधि एक अगस्त 2006 से 31 जुलाई 2007 तक थी, जबकि छात्रा की मृत्यु 19 अगस्त 2007 को हुई। वहीं, अपीलकर्ता के वकील ने तर्क रखा कि योजना का नवीनीकरण हर वर्ष होता है और एक अगस्त 2007 से 31 जुलाई 2008 तक नई पालिसी प्रभावी थी। इसके अलावा योजना के तहत डीईओ को स्थानीय निधि से प्रीमियम राशि जमा करने की सुविधा भी थी।

आयोग ने पाया कि पूरी कक्षा के लिए लगभग 2.65 लाख रुपये की प्रीमियम राशि डीईओ को जमा करनी थी, लेकिन उन्होंने लापरवाही बरती। इस कारण बीमा कंपनी की बजाय डीईओ को दोषी मानते हुए हर्जाने का आदेश दिया गया।

आज से पुष्य नक्षत्र में सवार होगी वर्षा

भोपाल ,एजेंसी। आज से वर्षा का प्रवेश पुष्य नक्षत्र में हो जाएगा। भारतीय ज्योतिषशास्त्र में वर्षा के आठ नक्षत्रों में पुष्य को तीसरा और अत्यंत प्रभावशाली नक्षत्र माना गया है। ज्योतिष मठ संस्थान के पं. विनोद गौतम के अनुसार, 20 जुलाई से 3 अगस्त तक वर्षा पुष्य नक्षत्र के प्रभाव में होगी। इस नक्षत्र की वर्षा मेष वाहन, जला नाड़ी व चंद्र-चंद्र योग के कारण अच्छी मानी जा रही है। इसके चलते आगामी दिनों में अच्छी और संतुलित वर्षा के संकेत हैं। पं. गौतम ने बताया कि मेघमाला ग्रंथ में वर्णित पुष्य नक्षत्र की स्थिति के अनुसार, जब इसमें केवल सूर्य गतिमान रहता है, तब वर्षा की संभावना प्रबल हो जाती है। हालांकि ग्रहों की स्थिति यह भी इंगित कर रही है कि सूर्य-बुध का योग कर्क राशि में तथा मंगल-केतु का योग सिंह राशि में होने से कुछ समय के लिए वर्षा में बाधा भी आ सकती है। पं. गौतम के अनुसार, वर्तमान समय में कर्क संक्रांति का असर भी मौसम और राजनीति पर स्पष्ट दिखाई देगा। पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा से नुकसान की संभावना है।

45 लाख की साइबर ठगी का आरोपी विदिशा से गिरफ्तार

बीजेपी नेता के बेटे को सीबीआई अधिकारी बनकर डराया; लैपटॉप-मोबाइल जब्त

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। कोतमा पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में विदिशा से 32 वर्षीय सौरभ शर्मा को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने गिरोह के साथ मिलकर अनूपपुर जिले के पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष अवधेश ताम्रकार के पुत्र आशीष ताम्रकार से 45 लाख रुपए ठगे।

थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला ने बताया कि आरोपियों ने खुद को सीबीआई अधिकारी, जज, हाईकोर्ट वकील और पुलिस अफसर बताया। पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर रुपए ऐंठे। पुलिस ने आरोपी से लैपटॉप, मोबाइल और ठगी से जुड़े दस्तावेज बरामद किए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक शॉप मालिक आशीष ताम्रकार ने 2017 में वायदा बाजार में निवेश किया था। इससे उन्हें 23 लाख रुपए मिलने वाले थे। ठगों ने इस राशि को हवाला का पैसा बताया। आरोपियों ने अलग-अलग मोबाइल नंबरों से संपर्क किया। स्क्रीन पर पुलिस सायरन बजाकर पीड़ित को धमकाया।

दो आरोपियों की पहले हो चुकी मौत: गिरोह का मुख्य सरगना महेंद्र शर्मा 2022 में मारा जा चुका है। उस पर विदिशा और अन्य जिलों में 30 से ज्यादा अपराध दर्ज थे। एक अन्य आरोपी रवि डेहरिया की दो माह पहले सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। लकी कुमावत और चित्रांश ठाकुर सहित अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

ठगी के साथ जमीन दलाली भी: गिरोह ने भोपाल में आरबी ट्रेडर्स और तिरुपति फिनटेक जैसी फर्जी कंपनियां खोली थीं। भोपाल में पकड़े जाने के डर से विदिशा में नए नाम से कंपनी शुरू की। आरोपी अलग-अलग नंबरों और बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे। गिरफ्तार आरोपी सौरभ शर्मा ठगी के अलावा प्राइवेट काम और जमीन दलाली भी करता था।

जिला अस्पताल में ब्लड बैंक सिंडिकेट का खेल, रामभाई त्रिपाठी पर सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में लाल खून की काली कमाई का गोरखधंधा थमने का नाम नहीं ले रहा। इसके पीछे एक संगठित सिंडिकेट सक्रिय है, जिसके सरगना के रूप में ब्लड बैंक कर्मचारी रामभाई त्रिपाठी का नाम सामने आ रहा है। आरोप है कि यह सिंडिकेट लंबे समय से खून की दलाली में लिप्त है, और कई सिविल सर्जन व सीएमएचओ के कार्यकाल बदलने के बावजूद इसका प्रभाव कम नहीं हुआ।सूत्रों के मुताबिक, रामभाई का हाल ही में तबादला हुआ था, लेकिन कथित तौर पर एक स्थानीय नेता की कृपा और मोटी कमाई के दम पर इसे रद्द करवा लिया गया। चर्चा है कि रामभाई ने उक्त नेता के जन्मदिन पर लाखों रुपये खर्च किए। यह कर्मचारी अपने काले कारोबार को बेरोकटोक जारी रखे हुए है। सीएमएचओ एल.के. तिवारी ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ब्लड बैंक के जिम्मेदारों पर कार्रवाई जरूर होगी। अब यह देखना बाकी है कि क्या रामभाई पर कोई ठोस कार्रवाई होगी या यह सिंडिकेट यूं ही चलता रहेगा।

ब्रेक फेल हुई बस को ट्रक ने रोका, 50 कांवड़ियों की जान बची; रायपुर से मैहर जा रही थी यात्री बस

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले में रायपुर से मैहर जा रही कांवड़ियों से भरी एक बस रविवार तड़के हादसे का शिकार होते-होते बच गई। दरअसल, पतखई घाट से उतरते वक्त बस के ब्रेक अचानक फेल हो गए। उस समय बस में 50 से अधिक कांवड़िए सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। बस की रफ्तार घाट पर अनियंत्रित हो रही थी, तभी ड्राइवर ने सामने से आ रहे ट्रक को देखते हुए इशारा किया। उसने आवाज देकर ट्रक ड्राइवर को अलर्ट किया।

बस के सामने ट्रक ड्राइवर ने रोका वाहन: ट्रक ड्राइवर ने स्थिति को समझते हुए अपनी ट्रक को बस के सामने रोक दिया। इससे बस की रफ्तार थमी और एक बड़ा हादसा टल गया। सिंहपुर थाना प्रभारी मुन्ना लाल राहंगडाले ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी यात्रियों को सुरक्षित बस से बाहर निकाला गया। घटना में बस का आगे का कांच टूट गया, लेकिन कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ।

थाना परिसर में कांवड़ियों के लिए हुई चाय-नाश्ते की व्यवस्था: पुलिस ने कांवड़ियों को थाना परिसर में लाकर उनके लिए चाय-नाश्ते की व्यवस्था की। दूसरी बस की व्यवस्था होने तक सभी को वहीं आराम करने दिया गया। बाद में उन्हें दूसरी बस से सुरक्षित उनकी यात्रा के लिए रवाना किया गया। कांवड़ियों ने ट्रक ड्राइवर की सूझबूझ और साहसिकता के लिए आभार जताया। पुलिस ने भी ट्रक चालक की बहादुरी की सराहना की और कहा कि उसकी तत्परता से कई लोगों की जान बच गई।

पुलिस ने चोरी के शक में युवक को पीटा

20 हजार रिश्वत नहीं देने पर एनडीपीएस एक्ट में फंसने की धमकी दी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के चुरहट थाना क्षेत्र में पुलिस की कथित ज्यादती का मामला सामने आया है। चुरहट में रहने वाले टिंकू पांडे को पुलिस 9 जुलाई को दोपहर में घर से उठा ले गई। पुलिस ने काली माता की मूर्ति की आंख चोरी के मामले में पूछताछ का बहाना बनाया। हेड कांस्टेबल नितेश प्रजापति और महाराणा प्रताप ने टिंकू को थाने ले जाकर एक कमरे में बंद कर दिया। यहां उससे न तो थाना प्रभारी ने पूछताछ की और न ही कोई औपचारिक कार्रवाई की गई। इसके बजाय पुलिसकर्मियों ने उसे डंडों से पीटा।

पुलिस ने पीड़ित से 20 हजार रिश्वत मांगी: पीड़ित का आरोप है कि हेड कांस्टेबल नितेश प्रजापति ने उससे 20 हजार रुपए की मांग की। उन्होंने धमकी दी कि पैसे नहीं देने पर एनडीपीएस एक्ट में फंसा देंगे। पैसे देने में असमर्थता जताने पर टिंकू को रातभर थाने में बंद रखा गया। रात 2 बजे उसे गंभीर हालत में छोड़ा गया।

पीड़ित ने कार्रवाई करने आईजी से की शिकायत: अगले दिन टिंकू की हालत बिगड़ने पर उसे चुरहट अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर वरुण सिंह ने मेडिकल रिपोर्ट में मारपीट की पुष्टि की। हालत गंभीर होने पर उसे रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया। वहां उसका 6 दिन तक इलाज चला। पीड़ित ने इस मामले में आईजी से शिकायत की है। शनिवार रात में पीड़ित रीवा संजय गांधी अस्पताल से घर आया। इसके बाद पर रविवार को एसपी से मिलने गया था। लेकिन एसपी ने उसे कल सोमवार के लिए मिलने के लिए बुलाया है।

कांग्रेस ने की कार्रवाई की मांग: कांग्रेस पार्टी के जिला महामंत्री ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री ने टिंकू पांडे के साथ मारपीट में पुलिस की संलिप्तता है। नाजायज तरीके से उनके साथ टॉर्चर किया गया और मारपीट की गई। पूरा परिवार थाने के आसपास ही रहता है और वह डरा हुआ है। मुझे जानकारी मिली है कि उसी दिन बीएमओ डॉक्टर वरुण सिंह के ऊपर जबरदस्ती दबाव बनाकर उसका फिटनेस बनवाया गया है। फिर जब वह संजय गांधी अस्पताल में एडमिट हुआ और आईजी को आवेदन दिया इसके बाद मामला सभी के संज्ञान में आया है। इस पूरे मामले पर उचित समय में अगर शीघ्र कार्रवाई नहीं होती है तो निश्चित ही तौर पर यह आंदोलन का रूप ले सकता है।

आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान बना बेसहारा बेवा का सहारा, मानवता की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां जनपद के पटना पंचायत के डांडीन गांव में आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान ने एक बेसहारा बेवा महिला, राजा बाई मवासी, के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। करीब एक वर्ष पहले राजा बाई के घर में आग लगने से उनकी पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई थी, जिसके बाद वह एक घास की झोपड़ी में रहने को मजबूर थीं। बारिश के मौसम में उनकी स्थिति और दयनीय हो गई, लेकिन शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने उनकी कोई सुध नहीं ली।ऐसे में आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान के प्रमुख आशुतोष द्विवेदी ने उनकी पीड़ा को समझा और चित्रकूट के समाजसेवी राकेश शर्मा के सहयोग से राजा बाई के घर में सीमेंट का शेड लगवाया। इतना ही नहीं, आशुतोष ने निजी खर्चे से घर की मरम्मत करवाई और अनाज, वस्त्र व बच्चों के लिए उपहार भी प्रदान किए। इस सेवा कार्य में जावेंद्र सिंह राहुल और बालमुकुंद पांडेय महुलीखेर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। गांव के बच्चों की मुस्कान और राजा बाई की आंखों में आंसू इस मानवीय प्रयास की जीवंत तस्वीर पेश करते हैं। यह मामला जहां प्रशासनिक संवेदनहीनता को उजागर करता है, वहीं यह भी दर्शाता है कि सच्ची नीयत से एक व्यक्ति समाज में बड़ा बदलाव ला सकता है। आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान के इस कार्य की क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है।

श्री महामृत्युंजय मंदिर में 21 से श्रावणी जाप, 22 को भंडारा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व प्रसिद्ध श्री महामृत्युंजय मंदिर, रीवा में कलाकार मंच के तत्वावधान में 21 जुलाई को सुबह 10 बजे से एक दिवसीय महामृत्युंजय जाप का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सावन मास में विंध्य क्षेत्र के कल्याण और सुख-शांति के लिए रखा गया है। सभी शिव भक्त और नगरवासी इसमें शामिल हो सकते हैं। 22 जुलाई को दोपहर 12 बजे से हवन-पूजन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन होगा। हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, संयोजक सुमित माँजवानी, संरक्षक सी.बी. शुक्ला, के.के. परौहा, ज्योति सिंह, राहुल मिश्रा, विनोद तिवारी, डी.पी. सिंह परिहार, रश्मी शुक्ला, अविराज, विजय मोहन तिवारी, अवधेश श्रीवास्तव, अध्यक्ष प्रवीर चंद दुबे, महिला अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह, युवा अध्यक्ष विकास सेन आर्यन, कार्यकारी अध्यक्ष उमेश कुशवाहा सहित सभी सदस्यों ने नगरवासियों से इस आयोजन में शामिल होकर धार्मिक आस्था प्रदर्शित करने का आग्रह किया है। हिन्दू धर्म परिषद ने इस जनकल्याणकारी आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

शराब पीकर बस स्टैंड पर किया हंगामा

गालियां देने पर लोगों ने नशेड़ी को चप्पलों से पीटा, वीडियो आया सामने

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन बस स्टैंड पर रविवार दोपहर 2 बजे एक शराबी ने हंगामा कर दिया। नशे में धुत व्यक्ति ने राहगीरों के साथ गाली-गलौज की। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर लोग शेयर कर रहे हैं। घटना के वक्त मौजूद लोगों ने बताया कि शख्स ने पास की शराब दुकान से पीकर आया था। वह बस स्टैंड में खड़े लोगों से बदतमीजी करने लगा। उसकी हरकतों से वहां अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर उसकी चप्पलों से पिटाई कर दी और बस स्टैंड से भगा दिया।

स्थानीय व्यापारी बोले- आए उत्पाद मचाते हैं शराबी: स्थानीय दुकानदार समयलाल गुप्ता के मुताबिक, बस स्टैंड के पास देसी और अंग्रेजी शराब की दुकानें हैं। यहां आए दिन नशेड़ी हंगामा करते रहते हैं। आज भी शराबी युवक ने सार्वजनिक स्थल पर उपद्रव मचाया। इससे लोगों को परेशानी हुई।

पुलिस को नहीं मिली कोई शिकायत: थाना रामपुर नैकिन के प्रभारी सुधांशु तिवारी को घटना की जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलते ही मामले की जांच की जाएगी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन तब तक शराबी और मारपीट करने वाले लोग वहां से जा चुके थे।

मध्यप्रदेश यूथ कांग्रेस संगठन चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न

वरुण गूजर ने जताया मतदाताओं और समर्थकों का आभार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश यूथ कांग्रेस के संगठन चुनाव प्रक्रिया सकुशल संपन्न हो गई है। इस अवसर पर सतना से जिलाध्यक्ष पद के प्रत्याशी वरुण गूजर (डिंकल) ने सभी मतदाताओं और समर्थकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। वरुण गूजर ने कहा, "सभी मतदाताओं का धन्यवाद और आभार, जिन्होंने इस चुनाव में भाग लिया। नवनिर्वाचित यूथ कांग्रेस सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं। मैं उन सभी साथियों का तहेदिल से आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से मेरा साथ दिया और पूरी मेहनत के साथ युवा कांग्रेस के सदस्य बनाए।" उन्होंने आगे कहा, "आप सभी का स्नेह और साथ इसी प्रकार बना रहे। हम सब मिलकर संगठन को और मजबूत करेंगे और युवाओं की आवाज बनकर आगे बढ़ेंगे।" वरुण गूजर ने संगठन को मजबूती प्रदान करने और युवाओं के हितों के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस चुनाव के माध्यम से यूथ कांग्रेस ने युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम उठाया है।

बस ने बाइक को मारी टक्कर, टायर में फंसा युवक; आरोपी ड्राइवर फरार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बैढ़न-छत्तीसगढ़ की सीमा पर छाबड़ा ट्रेवल्स की बस ने एक बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक बस के पिछले टायर में फंस गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना रविवार दोपहर 12 बजे की है।

बैढन से अंबिकापुर जा रही थी बस: हादसा बैढन थाना क्षेत्र के गोभा बॉर्डर और छत्तीसगढ़ के बलंगी थाना क्षेत्र के बीच हुआ। बस बैढन से अंबिकापुर जा रही थी। हादसे के समय बस की रफ्तार तेज थी। युवक सड़क के किनारे मोटरसाइकिल से जा रहा था। गोवा चौकी प्रभारी नीरज सिंह चौहान को घटना की सूचना मिली। मौके पर जांच में पता चला कि घटनास्थल छत्तीसगढ़ के बलंगी थाने की सीमा में आता है। इसके बाद बलांगी पुलिस को सूचना दी गई।

युवक की नहीं हो पाई शिनाख्त: पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। बलंगी पुलिस ने बताया कि अभी तक मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। सुरक्षा के लिहाज से बस को थाने में खड़ा करवाया गया है। पुलिस बस ड्राइवर की तलाश कर रही है।

आपदा की स्थिति में उपयुक्त भवनों को अधिग्रहण करने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर द्वारा आदेश जारी कर आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए आधी, बाढ़ या अन्य प्रत्याशित आपदा आने से सुरक्षित स्थान जैसे की सरकारी भवन, सामुदायिक भवन गैर सरकारी संस्थान में प्रवास कराने एवं उपयुक्त भवनों को अधिग्रहण करने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी आदेशानुसार अनुविभाग गोपद बनास के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपद बनास को, चुरहट के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चुरहट को, मझौली के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मझौली, कुसमी के लिए अनुविभागीय अधिकारी कुसमी एवं सिहावल के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिहावल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होने निर्देशित किया है कि प्राकृतिक आपदा के दौरान नियुक्त नोडल अधिकारी आवश्यकता अनुसार अपने स्तर से अधिकारियों/कर्मचारियों की पर्याप्त मात्रा में ड्यूटी लगाया जाना सुनिश्चित करें।

जिला न्यायालय में कार्यालय सहायक, रिसेप्सनिस्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं कार्यालय भृत्य के पदों के साक्षात्कार 27 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली की लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम अंतर्गत कार्यालय स्टॉफ कार्यालय सहायक, रिसेप्सनिस्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं कार्यालय भृत्य पद पर 01 वर्ष की संविदा नियुक्ति के लिए साक्षात्कार जिला न्यायालय परिसर स्थिति एडीआर भवन में कार्यालय सहायक, रिसेप्सनिस्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर पद का 27 जुलाई को प्रातः 08.00 बजे एवं कार्यालय भृत्य पद का 27 जुलाई को दोपहर 02:00 बजे से साक्षात्कार समाप्त होने तक साक्षात्कार समिति द्वारा लिया जावेगा।

खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उपसंचालक कृषि संजय श्रीवास्तव ने जानकारी देकर बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों का बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत मौसम, सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से यदि किसानों की फसल खराब होती है तो इस स्थिति में फसल को होने वाले नुकसान की छतिपूर्ति की जाती है।

प्रधानमंत्री फसल
बीमा योजना

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत समस्त ऋणी व अऋणी किसान 31 जुलाई 2025 तक फसलों का बीमा करा सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पटवारी हल्का स्तर पर अरहर, मक्का एवं धान, तहसील स्तर पर तिल, ज्वार एवं कोदो कुटकी तथा जिला स्तर पर उड़द एवं मूंग फसलों को अधिसूचित किया गया है। किसानों के लिए खरीफ मौसम में प्रीमियम दर अनाज, तिलहन, दलहन सभी फसलों के लिए बीमित राशि का 2 प्रतिशत या वास्तविक दर जो भी कम हो देय होगी। उप संचालक कृषि श्री श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत धान सिंचित फसल की बीमाधन राशि प्रति हेक्टेयर 42 हजार 900 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकंन राशि 858 रुपये है, धान असिंचित फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 32 हजार 400 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकंन राशि 648 रुपये है। अरहर फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 30 हजार 600 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकंन राशि 612 रुपये है, मक्का फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 31 हजार 350 रूपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 627 रूपये है मूंग फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 24 हजार 100 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 482 रूपये हैं उड़द फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 23 हजार 50 रूपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 461 रूपये हैं तिल फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 24 हजार 780 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 495.60 रूपये हैं ज्वार फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 23 हजार 923 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 478.46 रूपये है, कोदो कुटकी फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 15 हजार 803 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 316.06 रूपये है प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसल बीमा करवाने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है।

अऋणी कृषक (अल्पकालिक फसल ऋण न लेने बाले कृषक) अपनी फसलों का बीमा अपनी नजदीकी बैंक/शाखा जहाँ कृषक का बैंक खाता है के माध्यम से नजदीकी सी.एस.सी सेन्टर के द्वारा करा सकते हैं, या फिर ₹ ाप इंश्योरेंस एप को किसान भाई गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर स्वयं भी कर सकते हैं।

हाथियों का दल अनूपपुर की ओर बढ़ा, ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। शहडोल और बुढ़ार वन परिक्षेत्र में विचरण कर रहे चार हाथियों का दल रविवार सुबह खोह बीट के जंगल में पहुंच गया। यह क्षेत्र अनूपपुर जिले के बड़हर गांव से सटा हुआ है। शनिवार देर रात हाथियों ने बुढ़ार के अरझुली गांव के गर्जनटोला में ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ की। इसके बाद तुर्री और दलान होते हुए वे खोह बीट के जंगल में पहुंचे। वन विभाग को आशंका है कि हाथी देर रात बड़हर क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं।

बुढ़ार और अनूपपुर वन परिक्षेत्र के अधिकारी हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने मुनादी के जरिए ग्रामीणों को शाम होते ही सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। बरसात का मौसम होने के कारण ग्रामीण चिंतित हैं। उनके कच्चे मकान और खेती-बाड़ी को नुकसान की आशंका है। वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्र के लोगों को सतर्क रहने और सावधानी बरतने की हिदायत दी है।

विचार

निरंकुश अभिव्यक्ति से जुड़े सुप्रीम फैसलों का स्वागत हो

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति की सुनवाई करते हुए समय-समय पर जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वहीं एक संतुलित एवं आदर्श राष्ट्र एवं समाज व्यवस्था का आधार भी है। सोशल मीडिया मंचों पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी एवं विध्वंसकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन, वाणी संयम एवं विचार संयम की जरूरत बतायी है। धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हुई एवं यह याचिका दायर की गई। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर इसी याचिका पर विचार करते हुए कहा कि समाज में विद्वेष, घृणा व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता, सौहार्द एवं सद्भावना के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े अनेक मामलों के साथ-साथ ताजा मामले में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझते हुए इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों एवं टीवी चैनलों पर ऐसी सामग्री परोसी एवं प्रस्तुत की जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है, जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। आज सोशल मीडिया, समाचार चैनलों और राजनीतिक मंचों पर जिस प्रकार की उग्र भाषा, झूठे आरोप, धार्मिक विद्वेष और भावनात्मक उकसावे देखे जा रहे हैं, वे न केवल समाज को विभाजित कर रहे हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को भी ठेस पहुँचा रहे हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' देता है, इसके तहत प्रत्येक नागरिक को विचार, वाणी, लेखन, चित्रण आदि के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन आज इस अधिकार के दुरुपयोग की घटनाएं जिस प्रकार सामने आ रही हैं, वह चिंता का विषय बन चुकी हैं। इसलिए आज जरूरत है विचार संयम और वाणी संयम की। इसीलिये अनुच्छेद 19(2) इसके कुछ 'उचित प्रतिबंध' भी निर्धारित करता है जैसे भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, राज्य की अखंडता, लोक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, अश्लील या अनैतिक भाषण, अदालत की अवमानना, मानहानि, अपराध के लिए उकसावा एवं अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों से जुड़ी अराजकता पर प्रतिबंध, इन प्रतिबंधों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वतंत्रता का उपयोग अनुशासन और राष्ट्रीय हितों की मर्यादा में हो। संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है।

पुलिस-प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती सकुशल कांवड़ यात्रा संपन्न करवाना

दीपक कुमार त्यागी

हर वर्ष की तरह ही इस बार भी पवित्र श्रावण मास में देवाधिदेव भगवान महादेव के करोड़ों शिव भक्त को शांतिपूर्ण व भक्तिमय वातावरण में सकुशल कांवड़ यात्रा करवाना एक चुनौती पूर्ण कार्य है। जिसको संपन्न करवाने के लिए उराखंड, उर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान का पुलिस-प्रशासन दिन-रात एक करके अपने पूरे दल-बल के साथ धरातल पर व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है। पुलिस-प्रशासन को कांवड़ियों की संया में इस वर्ष भारी इज़ाफ़ा होने की उमीद है। ऐसी स्थिति में विशेषकर उराखंड व उर प्रदेश के पुलिस-प्रशासन के ऊपर पर एक तरफ तो जहां कांवड़ियों की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था करने कि अहम जिमेदारी है, वहीं दूसरी तरफ इन करोड़ों शिवभक्त कांवड़ियों के लिए समुचित व्यवस्था बनाने की जिमेदारी है, जिसमें दोनों राज्यों का शासन व पुलिस-प्रशासन दिन-रात जुटा हुआ है।

वैसे देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों से वर्ष दर वर्ष कांवड़ लाने वाले शिवभक्तों की संख्या में भारी इज़ाफ़ा हुआ है। क्योंकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों पर पुलिस-प्रशासन के द्वारा जिस तरह से उत्तर प्रदेश में शिवभक्त कांवड़ियों का सेवाभाव के साथ पलक-पांवड़े बिछाकर के स्वागत किया जाता है और कांवड़ियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इसका माइक्रो लेवल पर विशेष ध्यान रखा जाता है, इस स्थिति ने कांवड़ियों की संख्या में भारी इज़ाफ़ा करने का कार्य कर दिया है। भारी-भीड़ की स्थिति में कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए एक फुलप्रूफ, चाक-चौबंद व्यवस्था करना बेहद चुनौती पूर्ण कार्य बन गया है। कांवड़ यात्रा में विशेषकर के उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लाखों शिवभक्त कांवड़ियों के बीच छिपे हुए चंद अराजकता फैलाने की मंशा रखने वाले हुड़दंगियों की आखिरकार वह कैसे पहचान करें। हालांकि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के पास भक्तों की इस तरह की भारी भीड़ को नियंत्रण करने व उनके लिए समुचित व्यवस्था करने का दशकों पुराना लंबा अनुभव है, जिस अनुभव के ही बलबूते पर ही इन दोनों राज्यों का सिस्टम हर वर्ष ऐसे मेलों में उत्पन्न विकट से विकट परिस्थितियों से भी आसानी से निपट लेता है।

लेकिन इस बार शुरूआती दिनों से ही कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ रही है, शुरू के दिनों की बात करें तो प्रशासन के द्वारा 10 जुलाई से हरिद्वार में जल लेकर अपने गंतव्य स्थल पर जाने वाले कांवड़ियों की गिनती शुरू की गई थी। प्रशासन के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 10 जुलाई से लेकर 15 जुलाई मंगलवार की शाम 6¬00 बजे तक 80 लाख 90 हजार कांवड़िए गंगा जल लेकर के अपने गंतव्य की तरफ़ वापस चल दिए, कांवड़ियों की यह संख्या प्रतिदिन बहुत तेज़ी से बढ़ती जा रही है, वहीं साथ ही चंद हुड़दंगियों के द्वारा बवाल भी किया जाने लगा है। जिसके चलते ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश में शुरूआती दौर के दिनों में ही कांवड़ मार्ग के अधिकांश रास्तों को वन-वे तक करना पड़ गया है। हांलांकि इससे आम लोगों को काफ़ी असुविधा भी हो रही है। लेकिन पुलिस-प्रशासन क्या करें देश में जिस तरह का माहौल चल रहा है, उस स्थिति में कांवड़ियों की सुरक्षा की पूरी व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए यह एक बेहद आवश्यक कदम है। इसलिए ही गंगा से लेकर मंदिर व कांवड़ यात्रा मार्ग पर अब चप्पे-चप्पे पर होमगार्ड, ट्रेफिक पुलिस, पुलिस, पीएसी, आरएएफ, एटीएस आदि का सख्त पहरा नज़र आने लगा है। घाटों पर एनडीआरएफ व गोताखोरों की टीम दल-बल के साथ तैनात हैं, कांवड़ यात्रा मार्ग पर जगह-जगह अग्निशमन विभाग के जांबाज भी तैनात हैं। वहीं पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी स्वयं पूरी टीम के साथ सड़कों पर उतरे हुए हैं और एक एक व्यवस्था को खुद परखने का कार्य कर रहे हैं।

क्योंकि इस बार शुरूआती दौर से ही कांवड़ यात्रा में उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में हुए विवादों व तोड़फोड़ की कुछ घटनाओं ने पुलिस-प्रशासन को सोचने पर मज़बूर कर दिया है। क्योंकि इस बार विवाद के अधिकांश मामलों को बिना वजह की ही बात के बतंगड़ बनाकर के तूल देने के प्रयास किए गए, जिन्हें पुलिस-प्रशासन ने तत्काल ही समझदारी से सूझबूझ दिखाते हुए शांत करवाने का कार्य करते हुए, हुड़दंगियों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्यवाही करते हुए माहौल को सामान्य करने का कार्य बख़ूबी किया है। विवादों की इन चंद घटनाओं के चलते ही कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था में लगा हुआ पुलिस-प्रशासन का पूरा सिस्टम अचानक से हाई अलर्ट मोड पर चला गया है, सरकार व सिस्टम कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही व कोई भी चूक बिल्कुल भी नहीं चाहता है।

उदाहरणार्थ कांवड़ियों की सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए सख्ती का आलम यह हो गया है कि गाजियाबाद तक में भी 14 जुलाई से ही रास्ते वन-वे या बंद कर दिए है। हालांकि रास्ते वन-वे होने से क्षेत्र के आम लोगों को जबरदस्त असुविधा हो रही है। लेकिन अलग कांवड़ यात्रा मार्ग ना होने से पुलिस-प्रशासन के पास अन्य कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था को देखें तो इस बार उत्तराखंड में कांवड़ियों के जल भरने के सभी स्थान गोमुख, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार आदि से लेकर के उत्तर प्रदेश तक में भी पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों व चप्पे-चप्पे पर पुलिस व अर्द्ध सैनिक बलों के सुरक्षाकर्मियों का जाल बिछा दिया गया है, कंट्रोल रूम में बैठकर सुरक्षा विशेषज्ञ चप्पे-चप्पे पर निगरानी रख रहे हैं।

कांवड़ यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था का आलम देंखे तो गाजियाबाद जनपद में ही, पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़, जिलाधिकारी दीपक मीणा, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल व अन्य सभी आवश्यक विभागों के मुखिया अपनी पूरी टीम के साथ चौबीसों घंटे मुस्तैद खड़े हुए नज़र आते हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने जनपद के करीब 80 किलोमीटर लंबे कांवड़ मार्ग को 124 बीटों में विभाजित कर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने चार स्थाई कंट्रोल रूम, एक मुख्य कंट्रोल रूम, दो सब कंट्रोल रूम और आठ स्टैटिक कंट्रोल रूम बनाए हैं। कांवड़ मार्ग को 1657 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया है। 71 बैरियर लगाए गए हैं। 33 सार्वजनिक घोषणा प्रणाली बनाई गई है। 1560 पुलिस स्वयंसेवक व 10587 शांति समिति के सदस्य तैनात हैं।

पीआरवी एवं चीता मोबाइलों को कांवड़ मार्ग में और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर लगाया गया है। घाटों पर एनडीआरएफ की टीम तैनात की गयी हैं। दमकल की 12 गाड़ियां विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं, कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगें शिविरों की अनुमति देते समय ही आग से बचाव हेतु अग्निरोधी यंत्र, रेत की बाल्टी एवं पानी का ड्रम रखवाने के लिए शिविर आयोजकों को निर्देशित किया गया है। कांवड़ शिविरों में विद्युत सुरक्षा उपायों के किये जाने का निर्देश दिए गए हैं। कांवड़ मार्ग के निकट कोई नया बखेड़ा खड़ा ना हो इसके लिए मीट, मछली और अंडा आदि की दुकानों को बंद करवा दिया गया है। किसी प्रकार की कोई दुर्घटना ना घट जाये इसलिए कांवड़ की ऊंचाई 10 फुट एवं चौड़ाई 12 फुट तक रखने के निर्देश दिए गए है। डाक कांवड़ में मानकों के अनुसार म्यूजिक सिस्टम पर 75 डेसीबेल तक का ही शोर मान्य है। यहां आपको बता दें कि इसी तरह की चाक-चौबंद व्यवस्था उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी जनपदों में की गई है। इतनी चाक-चौबंद व्यवस्था के बाद भी पुलिस-प्रशासन के सामने कांवड़ यात्रा मार्ग पर आने वाले दिनों किसी भी तरह से माहौल खराब करने वाले लोगों से निपटने की बड़ी चुनौती खड़ी है। यात्रा के दौरान कांवड़ छूने, कांवड़ के वाहनों से टकराने, छुटपुट बातों का बतंगड़ ना बने उससे निपटने की चुनौती है। वैसे भी पिछले कुछ वर्षों से देश में छोटे-बड़े की शर्म, भाईचारा और सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग का भाव दिन-प्रतिदिन तेज़ी से कम होता जा रहा है, कांवड़ यात्रा में इसका प्रभाव अब स्पष्ट रूप से नज़र आने लगा है, जिसके चलते ही अब बिना सिर-पैर के विवाद तक भी कांवड़ यात्रा में चंद हुड़दंगी पैदा करने लगे हैं।

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि 'देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है', 'संविधान खतरे में है', तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है। देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर

विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।

विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी।

विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूंबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति 'विकास' की बजाय 'विरोध' पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है।

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर 'तानाशाही', 'संविधान बदलने की साजिश', 'जनविरोधी नीतियों' जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं।

क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है।

एचसी से मिशन हॉस्पिटल की लीज रिन्यूवल याचिका खारिज

सरकार की 14 एकड़ जमीन पर किया था कब्जा, हाईकोर्ट ने कहा-पट्टे का घोर दुरुपयोग किया गया

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने मिशन हॉस्पिटल प्रबंधन की लीज रिन्यूवल याचिका को खारिज कर दी है। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने प्रशासन की कार्रवाई को सही ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी। हॉस्पिटल प्रबंधन सरकार की 14 एकड़ जमीन पर कब्जा किया था। जानकारी के मुताबिक, डिसाइपल्स ऑफ क्राइस्ट संस्था को 1925 में राज्य सरकार से 14 एकड़ जमीन लीज पर दी गई थी। 1994 के बाद से तकनीकी कारणों से लीज का नवीनीकरण लंबित था। हालांकि, संस्था कब्जे में थी और किराया भुगतान करती रही।

प्रशासन ने संस्था का लीज नवीनीकरण आवेदन नामंजूर कर दिया। संभागीय आयुक्त ने भी संस्था की अपील खारिज कर दी। 6 नवंबर 2024 को हाईकोर्ट ने अधिकारियों को याचिकाकर्ताओं के अभ्यावेदन पर फैसला लेने का निर्देश दिया। 8 जनवरी 2025 को अधिकारियों ने अस्पताल, नर्सिंग स्कूल, स्टाफ क्वार्टर और चर्च समेत भवन का 80प्रतिशत हिस्सा ध्वस्त कर दिया गया। हॉस्पिटल प्रबंधन ने इस कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए तरीके से जमीन खाली कराने का आरोप: याचिका में कहा गया कि लीज डीड के खंड 8 के अनुसार संस्था 30 सालों के लिए स्वचालित नवीनीकरण की हकदार है। संस्था का आरोप है कि अधिकारियों ने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए मनमाने तरीके से जमीन खाली कराने की योजना बनाई।

प्रशासन ने किराया लेने से किया इनकार: याचिका में मिशन ने यह भी आरोप लगाया कि जब वे किराया जमा करने गए, तो प्रशासन ने जानबूझकर लेने से इनकार किया और बाद में गैर-भुगतान का बहाना बनाकर कब्जा खत्म कर दिया। न तो कारण बताओ नोटिस दिया गया और न ही कोई न्यायसंगत सुनवाई हुई। यहां तक कि नोटिस के बिना ही बुलडोजर चलवा दिया गया। याचिका में मांग की गई थी कि 7 फरवरी 2025 का आदेश रद्द किया जाए, पट्टे का नवीनीकरण 30 सालों के लिए किया जाए। ढहाए गए हिस्से की पुनर्स्थापना और उचित मुआवजा दिया जाए।

पट्टे की शर्तों का लंबे समय से हो रहा था उल्लंघन: सरकार ने कहा कि शर्तों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई। वहीं, राज्य सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ता पट्टे की शर्तों का लंबे समय से उल्लंघन कर रहे थे। इसके अलावा कब्जे का दुरुपयोग कर रहे थे। इसलिए जमीन पर कब्जा वापस लेने के लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया।

विवेकपूर्ण जांच की गई: कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा कि कलेक्टर, संभागीय आयुक्त और राज्य सरकार की ओर से पारित आदेश सभी प्रासंगिक तथ्यों दस्तावेजों और कानूनी प्रावधानों की गहन और विवेकपूर्ण जांच को दर्शाते हैं। आदेश किसी भी प्रक्रियात्मक अनियमित या मनमानी या दुर्भावना से दूषित नहीं है। बल्कि यह सरकारी भूमि के पट्टों को नियंत्रित करने वाली वैधानिक योजना के अनुरूप है और प्रशासनिक कानून के सुस्थापित सिद्धांतों पर आधारित है।

पट्टे का घोर दुरुपयोग किया गया: कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा कि वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता का आचरण, जो 20 सालों से अधिक समय से अनुपालन न करने की स्थिति में है। पट्टे के घोर दुरुपयोग को दर्शाता है। जिससे वह न्याय संगत राहत से वंचित हो जाता है। याचिकाकर्ता के किसी भी मौलिक अधिकार को उल्लंघन नहीं दिखाया गया है।

कलेक्टर ने पट्टे को नवीनीकृत करने से इनकार करने और भूमि पर फिर कब्जा प्राप्त करने के लिए जो कदम उठाए उसमें कोई त्रुटि या अवैधता नहीं है। जिसके लिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 और 227 के अंतर्गतिष्ट न्यायालय के हस्ताक्षर की आवश्यकता हो।

कोर्ट ने माना याचिका में कोई दम नहीं: सभी कारणों और केरल राज्य वर्सेस सुप्रीम कोर्ट के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के आधार पर इस न्यायालय का सुस्पष्ट मत है कि रिट याचिका में कोई दम नहीं है । यह न्यायालय के असाधारण क्षेत्राधिकार के प्रयोग में किसी भी हस्तक्षेप की मांग नहीं करती। याचिकाकर्ता कोई भी परिवर्तनीय कानूनी अधिकार या प्राधिकार स्थापित करने में विफल रहे हैं और राज्य प्राधिकारियों की ओर से की गई कार्यवाही कानून और तथ्यों दोनों के आधार पर उचित हैं इसलिए रिट याचिका खारिज की जाती है।

ईडी कार्रवाई पर बघेल के बयान पर मंत्री का पलटवार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी और ईडी की कार्रवाई के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल के आरोपों पर राज्य के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पलटवार किया है। मंत्री जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस को आरोप लगाना और सफाई देना दोनों अच्छे से आता है। उन्होंने कहा, जो भी भाजपा में आता है, वह पार्टी की नीति और विचारधारा देखकर आता है। यह कहना गलत है कि भाजपा में आने से कोई खुद-ब-खुद 'निर्मल' हो जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक साफ-सुथरी पार्टी है, मां गंगा जैसी पवित्र। जो इसमें आता है, वह विचारों से प्रेरित होकर आता है। कुछ लोग आते हैं और विचार नहीं मिलते तो वापस चले जाते हैं, लेकिन इससे पार्टी के सिद्धांत नहीं बदलते। श्याम बिहारी ने कहा, ईडी एक स्वतंत्र एजेंसी है और कानून सबके लिए बराबर है। अगर कोई गलत करेगा तो जांच होगी, चाहे वो किसी भी पार्टी का हो।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल का भाजपा पर हमला: बतादें कि शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी और ईडी की कार्रवाई के बाद रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जो भी नरेंद्र मोदी के पास जाकर सरेंडर कर देता है, उसका मामला साफ हो जाता है। जैसे वॉशिंग मशीन में सब साफ हो जाता है। लेकिन गांधी परिवार न डरता है, न झुकता है। जब हमारे नेता नहीं डर रहे, तो हम भी नहीं डरेंगे।

व्यापमं सब इंजीनियर परीक्षा में कठिन सवालों से परीक्षार्थी परेशान

कड़ी सुरक्षा के बीच 17 केंद्रों पर हुई परीक्षा, डार्क कलर कपड़ों में आई छात्रा को भेजा वापस

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। व्यापमं द्वारा आयोजित जल संसाधन विभाग के सब इंजीनियर पद की भर्ती परीक्षा में कठिन प्रश्नों ने परीक्षार्थियों को परेशान किया। परीक्षार्थियों के अनुसार प्रश्नों को समझने में ही अधिक समय लग गया। शहर में कुल 17 परीक्षा केंद्र बनाए गए। इनमें 5987 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी। 14 जुलाई को हुए हाईटेक नकल प्रकरण के बाद सभी केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। परीक्षार्थियों के अंदर जाने के बाद केंद्रों के गेट पर ताला लगा दिया गया। बाहर बंदूकधारी पुलिस तैनात की गई।

डार्क कपड़े पहनने पर महिला को रोका, कपड़े बदलकर दी परीक्षा: सरकंडा स्थित रामदुलारे मिश्रा हाई स्कूल परीक्षा केंद्र पर एक महिला परीक्षार्थी को डार्क कलर के कपड़े पहनने के कारण प्रवेश नहीं दिया गया। परीक्षा निर्देशों में हल्के रंग के कपड़े पहनकर आने का नियम था। महिला ने तुरंत दूसरे कपड़े का इंतजाम कर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति प्राप्त की।

90% थ्योरी, 75% टेक्निकल सवालों ने बढ़ाई मुश्किलें: 100 अंकों के प्रश्न पत्र में 90% सैद्धांतिक और 10% संख्यात्मक प्रश्न थे। परीक्षार्थियों के अनुसार 75% टेक्निकल और 25% नॉन-टेक्निकल प्रश्न पूछे गए। प्रश्न पत्र में चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनना था, लेकिन प्रश्नों की जटिलता के कारण परीक्षार्थियों को एक-एक प्रश्न को पढ़ने में काफी समय लगा।

2 घंटे पहले एग्जाम सेंटर पहुंचे परीक्षार्थी: व्यापमं द्वारा परीक्षा नियमों में किए गए बदलाव के मुताबिक परीक्षार्थी दो घंटे पहले एग्जाम सेंटर पहुंचे। नीट की तर्ज पर इस बार परीक्षार्थियों को एग्जाम सेंटर 2 घंटे पहले पहुंचने के लिए निर्देशित किया गया था, ताकि उनकी बेहतर ढंग से जांच की जा सके। वहीं इस बार परीक्षार्थियों को हाफ शर्ट पहनकर आने कहा गया था, इसलिए सभी परीक्षार्थी हाफ शर्ट, टी शर्ट में नजर आए।

बेल्ट उतरवा दिए गए: एग्जाम सेंटर में जूते पहन कर प्रवेश प्रतिबंधित था, इसलिए जूते और बेल्ट बाहर ही उतरवा दिए गए। इसके अलावा परीक्षा केंद्र में मोबाइल, बेल्ट, घड़ी, टोपी, स्कार्फ ले जाना भी प्रतिबंधित किया गया। यहां तक कि कान में किसी भी प्रकार के आभूषण पहनना पर रोक लगा दी गई। परीक्षार्थी अपने बैग भी केंद्र में नहीं रख पाए। मुस्लिम और सिक्ख समाज के परीक्षार्थियों की स्पेशल जांच निर्धारित की गई।

गश्त करते नजर आए पुलिस जवान: सभी परीक्षार्थियों की हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर से हाथों से तलाशी (फ्रिसकिंग) के बाद प्रवेश दिया गया। प्रत्येक परीक्षा केंद्र में एक पुरुष और एक महिला पुलिस कर्मी जांच करने तैनात रहे। परीक्षा प्रारंभ होने के बाद इन दोनों पुलिस कर्मी में से एक-एक पुलिस कर्मी बारी-बारी से परीक्षा केंद्र के परिसर और परीक्षा केंद्र के बाहर गश्त करते नजर आए।

हर कमरे में लगाए गए जैमर: आधिकारिक जानकारी के मुताबिक परीक्षा के दौरान प्रत्येक एग्जाम सेंटर के हर कमरे में जैमर लगाया गया था।

खराब सड़क बनाने वाला ठेकेदार ब्लैक लिस्टेड

निगम कमिश्नर ने की कार्रवाई; 23 लाख की अमानत राशि राजसात

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (एजेंसी)। जिले में खराब सड़क बनाने वाले ठेकेदार को बलैक लिस्टेड कर दिया गया है। साथ ही नगर निगम ने कृष्ण बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड पर 23 लाख रुपए अमानत राशि को राजसात करने की कार्रवाई भी की है। बताया जा रहा है कि वार्ड क्रमांक 47 में बाइर दादर चौक से विजयपुर चौक तक और कृष्ण वैली से इंदिरा विहार कॉलोनी तक डामरीकृत सड़क निर्माण का काम कृष्ण बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने किया था, जो कुछ समय बाद ही खराब हो गए।

दोबारा नोटिस जारी किया, फिर भी मरम्मत नहीं: सड़क खराब होने के बाद निगम अधिकारियों ने इन गड्ढे समेत पूरे सड़क का मरम्मत करने के लिए संबंधित फर्म कृष्ण बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड को नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद भी ठेका लेने वाले फर्म ने सड़क का मरम्मत कार्य नहीं किया गया। जिसके बाद ब्लैक लिस्टेड की कार्रवाई की गई।

1 साल के लिए ब्लैक लिस्टेड, 23 लाख राजसात: कमिश्नर ब्रिजेश सिंह क्षत्रिय ने कृष्ण बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड को 1 साल के लिए ब्लैक लिस्टेड करते हुए फर्म के निविदा लेने के एवज में जमा किए गए 23 लाख रुपए अमानत राशि को राजसात करने कार्रवाई की है।

निर्माण कार्यों में समझौता नहीं: कमिश्नर ब्रिजेश क्षत्रिय ने कहा कि शहर के विकास संबंधित निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। गुणवत्ता विहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों पर ब्लैक लिस्टेड संबंधित कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने 75 वर्षीय गुमशुदा पिता को बेटे से मिलाया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। पुलिस ने 75 साल के गुमशुदा पिता को उसके बेटे से मिलवाया है। बुजुर्ग रास्ता भटक कर नकटी गांव पहुंच गया था। 112 की टीम को जब बुजुर्ग के बारे में पता चला तो उन्हें थाने लेकर आया गया। जहां सीसीटीएनएस के डाटा बैंक से खोजबीन करने पर बुजुर्ग की पहचान संभव हो पाई। इसके बाद पुलिस ने बुजुर्ग को उसके बेटे को सौंप दिया है।

दरअसल, बुजुर्ग की पहचान सारंगा कुर्मी पिता श्याम लाल कुर्मी के रूप में किया गया। उसके बेटे बुरथुराम से सपंर्क करने पर पता चला कि वह अपने पिता को रायपुर में ही खोज रहा है। साथ ही उसने पंडरी में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि सीसी-टीएनएस के डेटा बैंक से बुजुर्ग को उसके परिवार से मिलाने में सफलता प्राप्त हुई। इस काम में माना थाना प्रभारी यामन कुमार देवांगन, सीसी-टीएनएस आपरेटर सुरेन्द्र निषाद थाना माना कैम्प और यशवंत पाटले सीसी-टीएनएस आपरेटर पामगढ़ थाना की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जमीन के नाम पर 45 लाख से ज्यादा की ठगी

4 ठगों ने फर्जी रजिस्ट्री करवाकर विधवा से ऐंठे पैसे,भारतमाला प्रोजेक्ट मुआवजा राशि भी हड़पी

मीडिया ऑडीटर, जशपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में कुनकुरी पुलिस ने शनिवार को जमीन खरीद-फरोख्त के नाम पर ठगी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने विधवा से फर्जी तरीके से जमीन रजिस्ट्री कर 36.50 लाख रुपए की ठगी की थी। इसके अलावा भारतमाला प्रोजेक्ट की 21 लाख रुपए की मुआवजा राशि भी हड़प ली थी। पीड़िता गोरेती मिंज ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि पति अनिल मिंज शिक्षक थे। जिनका 2021 में निधन हो गया। विभाग की ओर से उन्हें 56 लाख रुपए मिले थे। वह कुनकुरी क्षेत्र में जमीन खरीदना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने अपने दामाद की मदद ली। दामाद ने कुनकुरी के डुगडुगिया निवासी नीरज प्रजापति से संपर्क कराया। नीरज और उसके साथी दिलीप राम ने पीड़िता को एनएच 43 के पास खसरा नंबर 345/1 की 10 डिसमिल जमीन दिखाई। जमीन का सौदा 30 लाख रुपए में तय हुआ। पीड़िता ने एक लाख रुपए एडवांस देकर 5 मई 2023 को एग्रीमेंट किया।

बहन की शादी के नाम पर लिए एक्स्ट्रा 6 लाख: आरोपियों ने बहन की शादी के बहाने 2.5 लाख रुपए और वसूल लिए। रजिस्ट्री के समय 10 की जगह 12 डिसमिल जमीन की रजिस्ट्री का बहाना बनाकर 6 लाख रुपए और लिए गए। इसके बाद 20 जून 2023 को जशपुर में रजिस्ट्री कराई गई। पीड़िता ने नीरज प्रजापति के बैंक खाते में कुल 29 लाख रुपए ट्रांसफर किए।

रजिस्ट्री के बाद हुआ फर्जीवाड़े का खुलासा: नाम ट्रांसफर के दौरान पता चला कि खसरा नंबर 345/1 की न होकर 345/14 की हुई है। जो कि भारतमाला प्रोजेक्ट के अधीन चली गई है और उसमें नामांतरण नहीं हो सकता। इस बीच यह भी पता चला कि खसरा नंबर 345/1 की जमीन को दिलीप राम पहले ही किसी और को बेच चुका है।

भारतमाला मुआवजा भी हड़पी: जांच में यह बात भी सामने आई कि जिस 12 डिसमिल जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराई गई, वह भारतमाला योजना के तहत अधिग्रहित हो चुकी थी। आरोपियों ने इस जमीन के मुआवजा के रूप में मिलने वाली 21 लाख रुपए भी फर्जी मालिक बनकर हड़प ली। जब पीड़िता ने अपने पैसे वापस मांगे तो 12 लाख 60 हजार रुपए तो लौटा दिए गए, लेकिन बाकी पैसों के लिए बहानेबाजी करते रहे।

आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल: इस पूरे मामले में पुलिस ने नीरज प्रजापति (39), निवासी डुगडुगिया, नदिलीप राम (29), निवासी खूंटी टोली, गोवर्धन यादव (32), निवासी सीरिमकेला और घनश्याम यादव (53), निवासी सीरिमकेला को को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। इनके खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471 और 120(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भू-माफियाओं के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: जशपुर एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि महिला से धोखाधड़ी कर दूसरी जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने वाले चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। लोगों को ऐसे भू-माफियाओं से सावधान रहना चाहिए। पुलिस इस प्रकार के षड्यंत्रों को बर्दाश्त नहीं करेगी। अगर किसी के साथ ऐसा धोखा होता है, तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करें।

सीजी में न्याय व्यवस्था को मिला नया ठिकाना, नए सिविल कोर्ट भवन का लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने बिलासपुर जिले के बिल्हा तहसील में नए सिविल कोर्ट भवन का लोकार्पण किया। नया न्यायालय भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इस भवन में डिजिटल कोर्ट, वकीलों के लिए आधुनिक कक्ष, अस्पताल, एटीएम और प्रतीक्षालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही न्यायालय कक्ष, शिशु देखभाल कक्ष, अभियोजन कार्यालय और सुरक्षित बंदीगृह भी बनाए गए हैं। भवन का वातावरण हरा-भरा और स्वच्छ रखा गया है।

मुख्य न्यायाधीश बोले - बिल्हा न्यायालय भवन बनेगा मिसाल: मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह भवन प्रदेश के अन्य जिला न्यायालयों के लिए एक मिसाल बनेगा। उन्होंने बताया कि बिल्हा में यह नया न्यायालय भवन समय की मांग थी। इससे स्थानीय नागरिकों को त्वरित न्याय मिल सकेगा। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे इन सुविधाओं का उपयोग पक्षकारों को बेहतर न्याय देने में करें। साथ ही कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में मजबूत न्यायिक बुनियादी ढांचा स्थापित होने से न्यायिक अधिकारियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और आम लोगों को निष्पक्ष और कुशल न्याय मिल सकेगा। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, राज्य की सभी न्यायिक संस्थाओं में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इस दिशा में बिल्हा का नया न्यायालय भवन एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम में ये उपस्थित रहे: कार्यक्रम में हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी पोर्टफोलियो न्यायाधीश जिला बिलासपुर, न्यायामूर्ति नरेन्द्र कुमार व्यास, न्यायमूर्ति रविन्द्र कुमार अग्रवाल, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा शामिल रहे। इस अवसर पर हाईकोर्ट के महाधिवक्ता, रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अधिकारीगण, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं समस्त न्यायिक अधिकारीगण बिलासपुर, अध्यक्ष उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ बिलासपुर, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ बिल्हा, संभाग आयुक्त, पुलिस आयुक्त, जिलाधीश, पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र' में जवानों को भेजेंगे 8 हजार राखियां

मीडिया ऑडीटर, धमतरी (एजेंसी)। देश की रक्षा में तैनात सेना के जवानों को छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से 8 हजार राखियां भेजी जाएंगी। इस रक्षाबंधन के लिए जिले की भाजपा महिला मोर्चा ने 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र' कार्यक्रम की शुरुआत की है। जिसके तहत सीमा पर तैनात जवानों के लिए राखी और घर की मिट्टी भेजी जाएगी। 20 जुलाई को महिला मोर्चा ने घड़ी चौक में कार्यक्रम का आयोजन किया। वहीं, महिलाओं का कहना है कि यह ऑपरेशन पहलगाम हमले में शहीद जवानों को भी समर्पित है।

जवानों तक पहुंचाना अध्यक्ष की जिम्मेदारी: मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने स्कूल-कॉलेज और कई संस्थाओं से करीब 8 हजार राखियां एकत्र की हैं। इन्हें प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष को सौंपा जाएगा। वे इन राखियों को सीमा पर तैनात जवानों तक पहुंचाएंगी।

पहलगाम में हमले में शहीद जवानों को भी समर्पित: कार्यकर्ताओं ने कहा कि हमारे सैनिक 24 घंटे देश की सीमाओं पर तैनात रहते हैं। वे त्योहारों पर भी घर नहीं आ पाते। इसलिए बहनों की ओर से उनके लिए राखी और घर की मिट्टी भेजी जा रही है। यह कार्यक्रम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को भी समर्पित है।

शराब के लिए पैसे नहीं मिले तो नशेड़ी ने फावड़े से किया अटैक

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (एजेंसी)। जिले के चांपा थाना क्षेत्र में एक नशेड़ी युवक ने शराब के लिए पैसे न मिलने पर फावड़े से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी को कुछ घंटों में ही गिरफ्तार कर लिया। घटना चांपा के ग्राम हथनेवरा की है। आरोपी अमृतलाल पटेल अक्सर लोगों से शराब पीने के लिए पैसे मांगता था। मना करने पर विवाद करता था। 19 जुलाई 2025 को दोपहर करीब 3 बजे उसने गांव के नरेश कुमार पटेल से शराब के लिए पैसे मांगे। मना करने पर उसने लोहे के फावड़े से हमला कर दिया।

आरोपी के गांव से हुई गिरफ्तारी: पीड़ित की शिकायत पर चांपा थाने में एफआईआर दर्ज की गई। थाना प्रभारी जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। 33 वर्षीय आरोपी को उसके गांव से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि शराब के लिए पैसे नहीं मिलने से गुस्सा आ गया था। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया फावड़ा भी बरामद कर लिया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

यूपी के अर्बन सेक्रेटरी ने देखा इंदौर का स्वच्छता मॉडल

डोर टू डोर संग्रहण, ट्रेचिंग ग्राउंड, कमांड सेंटर की व्यवस्थाओं के बारे में जाना

इंदौर (एजेंसी)। रविवार को यूपी के अर्बन सेक्रेटरी अनुज कुमार झा इंदौर आए। यहां उन्होंने इंदौर के स्वच्छता मॉडल को देखा। अलग-अलग जगह का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं कोा समझा। साथ ही कॉलोनी के रहवासियों से बातचीत भी की।

जाना डोर टू डोर कचरा संग्रहण: निगमायुक्त शिवम वर्मा ने अर्बन सेक्रेटरी झा को सबसे पहले वार्ड क्रमांक 48 में मिश्र नगर डोर टू डोर कचरा संग्रहण काम का अवलोकन कराया। यहां उन्होंने जाना कि किस प्रकार निगम के डोर टू डोर वाहन जब कॉलोनी में आते हैं तो कॉलोनी के रहवासी अपने घरों से निकले कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में सेग्रीगेट रखे हुए कचरे को कचरा संग्रहण वाहन के अलग-अलग भाग में डालते हैं। इस दौरान झा ने रहवासियों से इंदौर के स्वच्छता मॉडल के संबंध में और कचरा सेग्रीगेशन के विषय में बात भी की। इसके बाद वे राजशाही के पास स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशन पहुंचे। यहां भी उन्होंने स्टेशन का अवलोकन किया।

अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने उन्हें बताया कि इंदौर में इस प्रकार से अलग-अलग क्षेत्र में जीटीएस बनाया गया है और राजशाही जीटीएस इंदौर के मध्यक्षेत्र में और कॉलोनी के पास स्थित है। बावजूद इसके यहां किसी भी प्रकार की रहवासियों को समस्या नहीं है। यहां पर कचरा संग्रहण गाड़ियों के माध्यम से जमा किए गए कचरे को लाया जाता है और यहां से गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित प्लांट पर प्रोसेसिंग के लिए भेजा जाता है। झा ने इंदौर के स्वच्छता मॉडल और कचरा प्रोसेसिंग काम के संबंध में जीटीएस प्रभारी से भी बात की।

गाड़ियों के मॉनिटरिंग सिस्टम को भी जाना: इसके बाद वे सिटी बस ऑफिस स्थित आईसीसीसी कमांड सेंटर पहुंचे। इस सेंटर का भी उन्होंने अवलोकन किया और किस प्रकार से इंदौर में कचरा संग्रहण वाहन और अन्य गाड़ियों की जीपीएस के माध्यम से मॉनिटरिंग की जाती है इस व्यवस्था को भी जाना। इसके वे देवगुराडिया स्थिति ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचे और यहां प्रोसेसिंग प्लांट और अन्य प्लांट की व्यवस्थाओं को देखा। झा ने इंदौर के सफाई मॉडल को देखा, समझा और इंदौर की सफाई से प्रभावित भी हुए। इस दौरान उनके साथ नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अखिलेश उपाध्याय और अन्य निगम अधिकारी मौजूद रहे।

तांत्रिक ने पहले रेप किया, फिर गोली मारकर लूटे गहने, आरोपी गिरफ्तार

कटनी (एजेंसी)। दशरमन गांव में शादीशुदा महिला की हत्या एक तांत्रिक ने गोली मारकर की है। दोनों झाड़-फूंक के सिलसिले में मिले थे। तांत्रिक का महिला के घर आना-जाना था। घटना वाले दिन आरोपी ने महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाना चाहा, जिसका महिला ने विरोध किया। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने जब कानूनी कार्रवाई करने की बात कही तो आरोपी ने गोली मारकर हत्या कर दी।अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर लेकर भाग गया। पुलिस ने 27 वर्षीय आरोपी शैलेंद्र कुमार पांडे को सिहोरा के पास खितौला से गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, महिला नीतू जायसवाल अकसर बीमार रहती थी। वह झाड़-फूंक पर विश्वास करती थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात आरोपी शैलेंद्र से हुई। वह उनके घर झाड़-फूंक के लिए आता-जाता था। साइबर सेल की मदद से पकड़े गए आरोपी ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने देशी कट्टे से नीतू की हत्या करने और उसकी अलमारी से जेवरात लूटने की बात कबूली है।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर लूटे गए जेवरात बरामद कर लिए हैं। इनमें सोने की चेन, चार कंगन, एक हार, मंगलसूत्र, अंगूठी और सोने का बिस्किट शामिल हैं। बरामद जेवरात का वजन लगभग 120 ग्राम है। इनकी कीमत करीब 1.2 लाख रुपए है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया देशी कट्टा भी जब्त कर लिया है।

दो युवकों को पाइप से पीटा, गालियां दीं

दबंगों ने पैर छूने को किया मजबूर, पुलिस बोली- बयान देने थाने नहीं आया पीड़ित

भिंड (एजेंसी)। गोहद में दो युवकों के साथ बेरहमी से मारपीट का वीडियो सामने आया है। इसमें कुछ लोग युवकों को लात-घूंसों और प्लास्टिक के पाइप से पीटते दिख रहे हैं। पीड़ित युवक छोड़ देने की गुहार लगा रहे हैं लेकिन दबंग गालियां देते हुए उन्हें पैर छूने के लिए मजबूर कर रहे हैं। वारदात 9 जुलाई को बरथरा रोड इलाके की है। इसका वीडियो शनिवार रात सामने आया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फरियादी इरफान खान ने पुलिस को जो शिकायती आवेदन दिया है, उसमें बताया है कि उसका मोबाइल अजय जाटव के पास था। वही देने के लिए आरोपियों ने उसे मिलने के लिए बुलाया। इरफान अपने दो दोस्त- राज और अमन के साथ वहां पहुंचा तो सभी ने घेर लिया। फिर जबरन पकड़कर सुनसान जगह पर ले गए। पाइप से पीटा। कई बार मिन्नतें करने पर धमकी देकर छोड़ दिया। इरफान का कहना है कि अजय कुछ समय पहले ही हत्या के मामले में जमानत पर छूटकर आया है।

पुलिस बोली- बुलाने पर थाने नहीं आया पीड़ित: गोहद थाना प्रभारी मनीष धाकड़ ने बताया कि इरफान ने 9 जुलाई को मामले की शिकायत की थी। उसे बयान देने के लिए थाने बुलाया गया था लेकिन वह नहीं आया। उन्होंने कहा- विवाद की शुरुआत सोशल मीडिया पर गाली-गलौज से हुई थी। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। जल्द उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, सभी आरोपी और पीड़ित भिंड जिले के ही रहने वाले हैं।

घर जा रहे बाइक सवार पर चाकू से वार

राह चलते युवक से हुआ विवाद, आरोपी ने दोस्तों को बुलाया फिर किया हमला

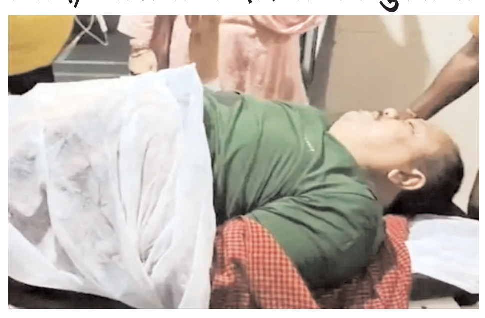

जबलपुर (एजेंसी)। शनिवार रात दुकान बंद कर घर लौट रहे एक युवक का राह चलते दूसरे युवक से गाड़ी टकराने को लेकर विवाद हो गया। कुछ देर बाद दोनों के बीच जमकर कहासुनी हुई। इसी दौरान शाबिर नाम के युवक ने फोन कर अपने दो दोस्तों को भानतलैया से बुला लिया। तीनों युवकों ने मिलकर बाइक सवार युवक और उसके साथी के साथ जमकर मारपीट की और फिर दोनों पर चाकू से हमला कर दिया। इस वारदात में बाइक सवार रईस के कमर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। उसका साथी भी घायल हुआ है। दोनों को इलाज के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां रईस की हालत नाजुक बताई जा रही है।

विवाद की जानकारी मिलते ही हनुमानताल थाना प्रभारी धीरज राज अपनी टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। घायलों के बयान दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि शाबिर, जो क्षेत्र में ही रहता है, ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने रईस और उसके साथी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घटना हनुमानताल थाना क्षेत्र के नूरानी मोहल्ले के पास हुई।

साथी ने पुलिस को दी घटना की जानकारी: पुलिस पूछताछ में रईस के साथी ने बताया कि शनिवार रात दुकान बंद करने के बाद रईस बाइक से घर जा रहे थे और वो पीछे बैठा था। नूरानी मोहल्ले में सामने से आ रही शाबिर की गाड़ी सीधे टकरा गई, जिससे विवाद शुरू हो गया। दोनों ही अपनी गलती मानने को तैयार नहीं थे। इसी बीच शाबिर ने फोन कर अपने दो सोनकर दोस्तों को मौके पर बुलाया। लगभग दस मिनट बाद वे बाइक से पहुंचे और आते ही ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में रईस के कमर और जांघ पर चाकू से गंभीर चोटें आईं, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित रईस के परिजनों का कहना है कि रात करीब 10 बजे उन्हें सूचना मिली कि रईस और उनके एक साथी पर कुछ लड़कों ने हमला कर दिया है। जब वे घटनास्थल पर पहुंचे, तो दोनों खून से लथपथ हालत में मिले। उन्हें तुरंत इलाज के लिए रसल चौक स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। विवाद की वजह दोनों की गाड़ियों का आपस में टकराना बताई जा रही है।

घायल बयान देने की स्थिति में नहीं: इधर, हनुमानताल थाना प्रभारी का कहना है कि फिलहाल रईस बयान देने की स्थिति में नहीं है और उसका साथी भी ज़्यादा बात नहीं कर पा रहा है। फिलहाल शाबिर और उसके दोस्तों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वनकर्मियों को लाठी-डंडों से पीटा, डिप्टी रेंजर समेत 5 घायल

कटनी (एजेंसी)। जिले के ढीमरखेड़ा में वन अमले पर ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में दो डिप्टी रेंजर समेत 5 लोग घायल हो गए। वन अमला 15 एकड़ वन भूमि पर अवैध रूप से मक्का-धान बोने के लिए जुताई कर रहे लोगों को रोकने पहुंचा था। घटना शनिवार दोपहर करीब 3 बजे की है। वन भूमि पर कुछ लोग हल और अन्य उपकरण लेकर पहुंचे थे। वन विभाग की टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान दोनों पक्षों में झड़प हो गई। इसका वीडियो रविवार को सामने आया।

हमले में पांच वनकर्मी घायल: लाठी-डंडों से हमले में पांच वनकर्मी घायल हुए। घायलों में खमतरा के डिप्टी रेंजर अशोक कोल, उमरिया पान के डिप्टी रेंजर राम कुशल मिश्रा, बिट गार्ड रामदुलारे मेहरा, रामफल पटेल और राजेश शर्मा शामिल हैं।

खेती के लिए जमीन जोत रहे थे ग्रामीण: ढीमरखेड़ा रेंजर अजय मिश्रा के अनुसार, विवादित भूमि पर पहले से हरे-भरे पेड़ काटकर हटाए जा चुके थे। यह क्षेत्र तेंदुओं की आवाजाही का प्रमुख मार्ग है।

12 हजार एकड़ जंगल पर कब्जा, फसल उगाई

400 जेसीबी से अतिक्रमण हटाया, फिर खेती शुरू की; कार्रवाई करने पर पथराव करते हैं

खंडवा (एजेंसी)। 400 जेसीबी से 12 हजार एकड़ वन भूमि से अतिक्रमण हटाने के सालभर के अंदर ही यहां फिर से फसलें लहलहाने लगी हैं। इस अतिक्रमण को हटाने के लिए जब भी वन अमला पहुंचता है तो उन पर अतिक्रमणकारी पत्थर फेंकने लगते हैं। वन विभाग के कर्मचारियों को भागना पड़ता है। जुलाई 2024, 26 दिसंबर 2024 और 9 जून 2025...ये वो तारीखें हैं, जब खंडवा में भारी-भरकम पुलिस फोर्स और जेसीबी मशीनों के साथ जंगल में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। दो साल में 7 हजार, इसके बाद जून 2025 में 5500 एकड़ जमीन से अतिक्रमण साफ किया गया। कार्रवाई के दौरान यहां बबूल के बीज डाले गए। बारिश में पौधे लगाए गए ताकि वापस जंगल पनप सके, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने रासायनिक स्प्रे कर बबूल की रोप को मार दिया, पौधे उखाड़ दिए। फिर से खेत तैयार किए और फसल की बोवनी कर दी।

मुक्त कराई जमीन पर फिर से अतिक्रमण होता देख वन विभाग का अमला कार्रवाई करने पहुंचा और एक ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने वन अमले को घेरकर ट्रैक्टर छुड़ा लिया। मारपीट भी की। एक हफ्ते तक वन अमले और अतिक्रमणकारियों के बीच संघर्ष चलता रहा। अब वन अमले ने भी इस जमीन से दूरी बना ली है। हालांकि वन अमने ने अतिक्रमणकारियों के खिलाफ पथराव करने का केस दर्ज कराया है। इस मामले में दो आरोपियों को जिलाबदर किया गया।

थाने में उल्टा लटकाकर पीटा, 4 युवकों की शिकायत पर 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड

छतरपुर (एजेंसी)। चार युवकों ने पुलिस पर थाने में मारपीट करने का आरोप लगाया है। युवकों का कहना है कि उनके कपड़े उतारकर उन्हें चार दिन तक पीटा गया। इतना ही नहीं प्राइवेट पार्ट में मिर्च पावडर डालने का भी आरोप पुलिस पर लगाया गया है। हालांकि नौगांव एसडीओपी अमित मेश्राम का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट आ गई है, उसमें मिर्च पाउडर का जिक्र नहीं है, ना ही कोई फ्रैक्चर हुआ है। सीसीटीवी फुटेज और पीड़ित के बयान दर्ज किए जाएंगे। जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी। मामला बढ़ने के बाद मारपीट करने वाले नौगांव थाने के तीनों पुलिसकर्मियों एएसआई शिवदयाल वाल्मीकि, राम जाट और अरविंद शर्मा को सस्पेंड कर दिया गया है।

शनिवार देर रात तक धरना, समझाइश के बाद माने: शनिवार शाम करीब 4 बजे पीड़ित और भीम आर्मी के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए एसपी कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। जिम्मेदारों पर कार्रवाई को लेकर पीड़ित धरने पर बैठ गए। रात डेढ़ बजे समझाइश के बाद माने। पुलिस तीन पीड़ितों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल लेकर गई। इधर, देर रात कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने पीड़ितों और पुलिस अधिकारियों से फोन पर बात की। महाराजपुर के पूर्व कांग्रेस विधायक नीरज दीक्षित भी मुलाकात करने पहुंचे। रविवार सुबह नौगांव एसडीओपी अमित मेश्राम ने बताया कि हम लोगों ने रात में पीड़ित परिवार को सुरक्षित उनके घर छोड़ दिया था। रात में घायलों की एमएलसी भी जिला अस्पताल में कराई थी। लापता व्यक्ति की पुलिस तलाश कर रही है, जल्द ही उसका पता लगा लिया जाएगा।

चोरी के आरोप में थाने लाकर मारपीट का आरोप: पीड़ितों के मुताबिक वे सभी कंजडपुर धरमपुरा के रहने वाले हैं और झाड़ू बनाकर बेचने का काम करते हैं। 15 जुलाई की शाम को वे नौगांव डिसलेरी रोड पर एक नए मकान के उद्घाटन कार्यक्रम में गए थे। यहां से लौटते समय सड़क किनारे टॉयलेट कर रहे थे, तभी डायल-100 पुलिस की गाड़ी आई और बिना वजह 5 लोगों को थाने ले जाया गया। इनमें से एक युवक को दिव्यांग होने के कारण छोड़ दिया गया। आरोप है कि बाकी चारों युवकों को थाने में उल्टा लटकाकर बेल्ट और लात-घूंसों से पीटा गया। चोरी कबूल कराने के लिए उनके प्राइवेट पार्ट में मिर्च डाली गई और चार दिन तक बुलाकर प्रताड़ित किया गया। बता दें कि पुलिस ने ट्रांसफॉर्मर का तेल चुराने के आरोप में पांच लोगों को पकड़ा था।

एक साथी लापता, परिजन ने हत्या की जताई आशंका: मारपीट की जानकारी मिलने के बाद भीम आर्मी ने शनिवार को पीड़ित परिजन के साथ बस स्टैंड से एसपी ऑफिस तक मार्च निकाला और धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी पुलिसकर्मियों पर एससी-एसटी एक्ट में मामला दर्ज कर उन्हें सस्पेंड करने की मांग की है। पीड़ित पक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि उनके साथ पकड़ा गया एक युवक अब तक नहीं मिला है। उन्होंने उसकी हत्या की आशंका जताई है।

डीआईजी ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया: डीआईजी ललित शाक्यवार धरनास्थल पर पहुंचे और पीड़ितों को मेडिकल परीक्षण कराने व जांच के बाद कार्रवाई की बात कहकर चले गए। इस दौरान उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी।

एसपी कार्यालय की बिजली बंद की, ताला लगाया गया: धरने के दौरान एसपी कार्यालय का गेट बंद कर ताला लगाया गया और परिसर की बिजली भी काट दी गई। कार्यकर्ता, महिलाएं और बच्चे अंधेरे में ही धरने पर बैठे हैं। धरना प्रदर्शन को देखते हुए नौगांव एसडीओपी अमित मेश्राम के साथ सिटी कोतवाली, ओरछा थाना, सिविल लाइन थाना समेत अन्य थानों से पुलिस बल बुलाकर मौके पर तैनाती कराई गई है।

शिक्षामंत्री के जिले में बिना बच्चों वाले 4 स्कूल

नरसिंहपुर के प्राइमरी स्कूल में 8 साल से बच्चे दर्ज नहीं, 8 टीचर घर बैठे ले रहे सैलरी

नरसिंहपुर (एजेंसी)। 'बाहर दरवाजे पर जड़ा ताला। ऊपर चारों ओर लगे मकड़ी के जाल। खुली खिड़कियों में से अंदर दिख रहा टूटा-फूटा और गंदा फर्श। फैली गंदी किताबें। कमरे के बीचों-बीच कुर्सी पड़ी है। कमरे में चारों ओर धूल जमा है।' ये नरसिंहपुर जिले के करेली ब्लॉक का गोंडी धुबघट स्थित प्राइमरी स्कूल है। चर्चा इसलिए क्योंकि गांव वालों की मानें, तो इस स्कूल के रिकॉर्ड में एक भी बच्चा दर्ज नहीं है। यहां दो टीचर भी पदस्थ हैं। वे पिछले आठ साल में सिर्फ दो ही दिन राष्ट्रीय त्योहार पर आते हैं। बाकी दिन स्कूल में ताला पड़ा रहता है। उससे भी बड़ी बात है कि टीचर्स लगातार सरकार से सैलरी लेते रहे हैं।

इसका खुलासा तब हुआ, जब हाल में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी सलीम खान ने स्कूल और टीचर्स की रिपोर्ट मंगवाई। जिले में ऐसे चार प्राइमरी स्कूल मिले, जहां बच्चों की संख्या शून्य है। हर स्कूल में दो टीचर पदस्थ हैं। सभी आठ टीचर मुफ्त की तनख्वाह भी ले रहे हैं। अब प्रभारी डीईओ ने शिक्षामंत्री उदय प्रताप सिंह और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है।

कई साल से दीवार पोती नहीं गई है। दरवाजे पर ताला लटका है। जंग खाए ताले को देखकर लगा कि इसे कई महीनों से खोला ही नहीं गया। दरवाजों की भी सफाई नहीं की गई है। ऊपर मकड़ियों ने जाला बना लिया है। खिड़की से अदंर झांका, तो कमरे में किताबें जमीन पर फैली दिखीं। फर्श भी टूटा हुआ था। धूल जमा थी। कमरे की छत पर भी सफाई नहीं की गई थी। कमरे के बीचों-बीच एक कुर्सी भी दिखी। उस पर भी धूल थी। इसके बाद आसपास देखा, तो पास ही बंद पड़ा टॉयलेट है। स्कूल भवन के आसपास गंदगी जमा है। टीम को देखकर गांव वाले भी इकट्ठा हो गए। कुछ महिलाएं भी थीं।

स्कूल में शिक्षक नहीं आते, इसलिए नरसिंहपुर में कराया एडमिशन: गांव की ममता बाई जाट ने बताया कि स्कूल में दो टीचर तूल कुमार शर्मा और चंचल शर्मा पदस्थ हैं। दोनों सिर्फ 15 अगस्त और 26 जनवरी को स्कूल आते हैं। बाकी पूरे साल स्कूल में ताला डला रहता है। इस कारण गांव के बच्चों का एडमिशन नरसिंहपुर में करना पड़ा। हमें रोजाना बच्चों को छोड़ने और लेने जाना पड़ता है। रास्ता भी काफी खराब है। इससे आने-जाने में भी परेशानी होती है।

बुजुर्ग महिला रनवती बाई बताती हैं कि मेरी एक ही बेटी है। उसके दो बेटे हैं। गांव में स्कूल न खुलने के कारण उनको मजबूरन नरसिंहपुर शहर में ही किराए से रहना पड़ता है। अगर यहां स्कूल में पढ़ाई होती, तो बेटी गांव में ही रहती। गांव के रहने वाले राव राजेंद्र सिंह ने बताया कि गांव के स्कूल शिक्षक नहीं आते। रास्ता भी खराब है। इस कारण गांव के कई बच्चों का शहर के स्कूलों में नाम लिखवा दिया है। अगर यही स्कूल अच्छे से खोलें और अच्छे से पढ़ाई हो, तो बच्चों को पढ़ने के लिए बाहर क्यों भेजा जाएगा।

खेत का मजदूर ही निकला ट्रैक्टर चोर

चलाना नहीं आता था, फिर भी फर्स्ट गियर में 20किमी ले गया; जंगल में छिपा दिया

खंडवा (एजेंसी)। खेत में मजदूरी करने वाले युवक ने ही मालिक का ट्रैक्टर चोरी कर लिया। दिलचस्प बात यह रही कि आरोपी को ट्रैक्टर चलाना ठीक से नहीं आता था, फिर भी उसने चोरी की और ट्रैक्टर को फर्स्ट गियर में 20 किलोमीटर दूर तक ले जाकर जंगल में छिपा दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना थाना छैगांवमाखन क्षेत्र की देशगांव चौकी अंतर्गत ग्राम सिर्रा की है। यहां रहने वाले रविंद्र पिता तुलसीराम पटेल का जॉन डिअर कंपनी का ट्रैक्टर व कल्टीवेटर 16 जुलाई की रात चोरी हो गया था।

आरोपी राकेश उर्फ बुधीया, रविंद्र के ही खेत में मजदूरी करता था, उसी ने वारदात को अंजाम दिया। उसे ट्रैक्टर चलाना ठीक से नहीं आता था, लेकिन उसने देखा कि मालिक ट्रैक्टर में डीजल भर रहा है, और यहीं से उसकी नीयत बदल गई। राकेश ने ट्रैक्टर को डायरेक्ट स्टार्ट किया और फर्स्ट गियर में ही 20 किलोमीटर दूर रोशिया गांव की ओर हाईवे के किनारे जंगल में ले गया। पकड़े जाने के डर से उसने ट्रैक्टर को 50 मीटर भीतर झाड़ियों में छिपा दिया।

मैनचेस्टर टेस्ट से पहले भारत को डबल झटका, ये दो खिलाड़ी हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। लेकिन उससे पहले भारत को डबल झटका लग सकता है। दरअसल, चौथे टेस्ट से बाएं हाथ के स्विंग गेंदबाज अर्शदीप सिंह बाहर हो सकते हैं।

वहीं, 26 वर्षीय अर्शदीप सिंह को गुरुवार को ट्रेनिंग नेट सेशन के दौरान साई सुदर्शन की गेंद को फॉलो-थ्रू पर रोकते समय अपने गेंदबाजी वाले हाथ में चोट लग गई थी। उनके हाथ पर टांगे लगे हैं और अब उनके खेलने की संभावना कम है। आकाशदीप की उपलब्धता पर भी सस्पेंस बना हुआ है क्योंकि उन्हें भी ग्रोइन में समस्या है।

आकाशदीप ने मैनचेस्टर रवाना होने से पहले भारतीय टीम द्वारा आयोजित नेट सेशन में गेंदबाजी नहीं की थी। द इंडियन एक्सप्रेस से सूत्र ने कहा कि, उनके हाथ में टांके लगे हैं और संभवत- वह चौथे टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। भारतीय टीम देखेगी कि वह पांचवें टेस्ट के लिए तैयार हैं या नहीं। फिलहाल अर्शदीप को अभी तक टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है, लेकिन अगर टीम मैनेजमेंट किसी तेज गेंदबाज को आराम देने का फैसला कता है तो वह डेब्यू कर सकते थे।

वहीं भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोशेट ने कहा कि, अर्शदीप को वहां गेंदबाजी करते हुए एक गेंद लगी, साई ने एक गेंद मारी और उन्होंने उसे रोकने की कोशिश की और उनका हाथ कट गया। इसलिए हमें देखना होगा कि कट कितना गंभीर है। जाहिर है मेडिकल टीम उन्हें डॉक्टर के पास ले गई है। उन्हें टांके लगते हैं या नहीं, ये अगले कुछ दिनों की हमारी योजना के लिए अहम होगा।

लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड की पारी के 28वें ओवर में, आकाशदीप दिक्कत महसूस करने के बाद ड्रेसिंग रूप में चले गए। टीम के फिजियो उनके साथ थे। तेज गेंदबाज ने अपनी कमर पकड़ रखी थी और दिक्कत में दिख रहे थे। 28 वर्षीय या गेंदबाज पहले भी चोटिल रहा है। इसके कारण वह 2024 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और 2025 के आईपीएल सीजन से बाहर हो गए थे।

गोल्ड जीतने के बाद नहीं मिले कई पुरस्कार, अरशद नदीम ने खोली पाकिस्तान की पोल

नई दिल्ली ,एजेंसी। पाकिस्तान के ओलंपिक हीरो अरशद नदीम ने 2024 के पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने देश की सरकार और अधिकारियों द्वारा किए गए अधूरे वादों पर सवाल उठाए हैं। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत के नीरज चोपड़ा को हराकर पाकिस्तान के लिए पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम ने खुलासा किया कि उनकी उपलब्धि के लिए इनाम के तौर पर घोषित ज़मीन के टुकड़े कभी नहीं दिए गए। अरशद नदीम ने पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर की छलांग लगाकर इतिहास रच दिया और डेनमार्क के एंड्रियास थोरकिल्डसन द्वारा 2008 में बनाए गए ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। रजत पदक जीतने वाले गत विजेता नीरज चोपड़ा पर उनकी जीत पाकिस्तान के लिए बेहद गर्व की बात थी। सरकार, राज्य के अधिकारियों और सार्वजनिक संस्थाओं ने नदीम को नकद पुरस्कार, ज़मीन के प्लॉट और विभिन्न सम्मानों सहित ढेरों इनाम देने का वादा किया। हालांकि, एक साल बाद, नदीम ने जियो टीवी से बात करते हुए खुलासा किया, मेरे लिए जितने भी इनामों की घोषणाएँ की गईं, उनमें से सभी प्लॉट की घोषणाएँ फ़र्ज़ी थीं, जो मुझे नहीं मिलीं। इसके अलावा, मुझे घोषित सभी नकद पुरस्कार मिल चुके हैं।

एक साल में बीसीसीआई ने कमाए 9742 करोड़ रुपये

नई दिल्ली ,एजेंसी। बीसीसीआई को दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड में गिना जाता है। इसके पीछे सबसे बड़ा हाथ आईपीएल का है। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के फाइनेंशियल ईयर 2023-24 को लेकर एक बड़ी रिपोर्ट सामने आई है। दरअसल, रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड के फाइनेंशियल ईयर 2023-24 का जो रेवेन्यू है उसमें अकेले आईपीएल ने 59 फीसदी का योगदान दिया है। उस समय बीसीसीआई के सचिव जय शाह थे, जिन्होंने इस पद को संभालने के बाद बोर्ड को पूरी तरह से ही बदल दिया और इसे मालामाल कर दिया। इस क्रिकेट बोर्ड की कमाई दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। द हिंदू बिजनेस लाइन की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में 9741.7 करोड़ रुपये की कमाई की थी, इसमें से आईपीएल ने अकेले 5761 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसका मतलब ये है कि आईपीएल में 59 प्रतिशत का फाइनेंशियल योगदान दिया है। रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेशनल टूर्नामेंट के ब्रॉडकास्टिंग अधिकारों सहित गैर आईपीएल मीडिया अधिकारों की बिक्री से बीसीसीआई को 361 करोड़ रुपये की कमाई हुई। इसके अलावा बोर्ड ने पिछले फाइनेंशियल ईयर में सिर्फ ब्याज से 987 करोड़ रुपये कमा लिए। इस दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल डिस्ट्रीब्यूशन से उन्हें 1,042 करोड़ रुपये मिले हैं। ये नहीं बीसीसीआई को आईपीएल के अलावा रेवेन्यू बढ़ाने के लिए रणजी ट्रॉफी, दिलीप ट्रॉफी या सीके नायडू ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट के आयोजन से भी काफी मदद मिलती है।

इन भी घरेलू टूर्नामेंट से भी बोर्ड को काफी फायदा होता है।

कौन हैं आर्यवीर कोहली? दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में खेलते हुए दिखेंगे

नई दिल्ली ,एजेंसी। क्रिकेट में विराट कोहली की विरासत को उनके भाई के बेटे आर्यवीर कोहली आगे बढ़ाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। आर्यवीर कोहली क्रिकेट में करियर बनाने के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। दिल्ली के कोच और भारत के पूर्व क्रिकेटर सरनदीप सिंह ने आर्यवीर को उभरता हुआ स्टार बताया है।

वह दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में खेलते हुए नजर आएंगे। दिग्वेश राठी और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ी इसी टूर्नामेंट से सबसे पहले चर्चा में आए ते और आईपीएल का कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया था।

आर्यवीर कोहली दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली के बड़े भाई विकास कोहली के बेटे हैं। वह दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के लिए खेलते हुए दिखेंगे। वह 15 साल के हैं फ्रेंचाइजी ने उन्हें 1 लाख रुपये में ख़रीदा है। इसी टीम में दिग्वेश राठी भी हैं जो दिल्ली प्रीमियर लीग के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। राठी को साउथ दि्लली सुपरस्टार्ज ने 38 लाख रुपये में खरीदा था। आर्यवीर कोहली बाएं हाथ के लेग स्पिनर हैं और अभी दिल्ली के कोच सरनदीप सिंह की रेखदेख में ट्रेनिंग ले रहे हैं।

दिलचस्प बात ये है कि दिल्ली प्रीमियर लीग में वीरेंद्र सहवाग के बड़े बेटे भी नजर आएंगे। संयोग से सहवाग के बेटे का नाम भी आर्यवीर है। उन्होंने सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपये में खरीदा है।

देश से बढ़कर कुछ नहीं...पाकिस्तान के खिलाफ मैच से हटे शिखर धवन

नई दिल्ली ,एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भारत और पाकिस्तान के बीच 20 जुलाई को होने वाला मैच रद्द हो गया है। बता दें कि, कुछ भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से मना कर दिया। पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना करने वाले दिग्गजों की लिस्ट में शिखर धवन का भी नाम शामिल है। उन्होंने बकायदा ईमेल करते हुए बोर्ड को सूचित किया है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना करने वाले दिग्गजों की लिस्ट में शिखर धवन का भी नाम शामिल है। धवन ने बकायदा ईमेल करते हुए बोर्ड को सूचित किया कि वह पाकिस्तान के खिलाफ केवल आज ही के मुकाबले में नहीं बल्कि आगामी डब्ल्यूसीएल लीग के सभी मुकाबलों में नहीं खेलेंगे।

39 वर्षाय पूर्व सलामी बल्लेबाज ने अपने ईमेल का एक स्क्रीन शॉट शेयर किया है। जिसके कैप्शन में लिखा है कि, जो कदम 11 मई को लिया, उसे आज भी वैसे ही खड़ा हूं। मेरा देश मेरे लिए सब कुछ है और देश से बढ़कर कुछ नहीं होता।

बता दें कि, ईमेल के स्क्रीनशॉट में बताया गया है कि 11 मई 2025 को धवन ने सूचित किया था कि वह डब्ल्यूसीएल लीग के आगामी सीजन में पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी मुकाबले में हिस्सा नहीं लेंगे।

यहीं नहीं ईमेल में इसके पीछे का कारण भी बताया गया था। उसमें लिखा गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और भूराजनीतिक स्थिति को लेकर ये फैसला लिया गया है।

फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर शतरंज में एरिगैसी सेमीफाइनल में

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकरयहां 750,000 डॉलर इनामी फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर शतरंज प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन आर प्रज्ञानानंदा अमेरिका के फैबियानो कारूआना से हारकर खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। अर्जुन ने अब्दुसत्तोरोव पर 1.5-0.5 से जीत हासिल की, लेकिन प्रज्ञानानंदा एक कड़े मुकाबले में कारूआना से 3-4 से हार गए। क्वार्टरफाइनल चरण में लेवोन अरोनियन और हंस मोके नीमन की अमेरिकी जोड़ी भी जीत हासिल करने में सफल रही। उन्होंने क्रमश: अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव को हराया। जहां अरोनियन ने 2.5-1.5 के अंतर से जीत हासिल की, वहीं निमन को सिंडारोव को 4-2 से हराने में अधिक समय लगा। सेमीफाइनल में अर्जुन का मुकाबला अरोनियन से जबकि नीमन का कारूआना से होगा। निचले वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपनी जीत की लय वापस पा ली। उन्होंने भारत के विदित गुजराती को आसानी से 2-0 से हराया।

मैनचेस्टर में जसप्रीत बुमराह को देखना चाहते हैं इंग्लैंड के दिग्गज पूर्व स्पिनर

नई दिल्ली ,एजेंसी। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट भारत के लिए करो या मरो का होने वाला है। अगर इंग्लैंड के खिलाफ भारत को सीरीज जीतने की उम्मीदें जिंदा रखनी है तो उसे मैनचेस्टर टेस्ट किसी भी हाल में जीतना होगा। इतने अहम मैच में क्या भारत गेंदबाजी में अपने सबसे बड़े हथियार जसप्रीत बुमराह का इस्तेमाल करेगा? सीरीज से पहले ही ये साफ हो गया था कि बुमराह सभी 5 के बजाय सिर्फ 3 मैच खेलेंगे। अब दो तो वह पहले ही खेल चुके हैं और अब मैनचेस्टर टेस्ट खेलेंगे या ओवल, इस पर सस्पेंस बना हुआ है।

वहीं इस बीच इंग्लैंड के दिग्गज पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा कि जसप्रीत बुमराह को मैनचेस्टर टेस्ट खेलना ही चाहिए। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि, जसप्रीत बुमराह को अगला मैच खेलना चाहिए। ये भारत के लिए मस्ट-विन मैच है। उन्हें अपने बेस्ट अटैक के साथ खेलने की जरूरत है। बुमराह को अगला टेस्ट खेलना ही होगा ये देश की वो पिच है जिसमें सबसे ज्यादा गति और उछाल है इसलिए उन्हें खेलना होगा।

बुमराह मौजूदा सीरीज के पहले और तीसरे टेस्ट में खेले थे। संयोग ससे दोनों ही टेस्ट में भारत की हार हुई थी और जिस दूसरे टेस्ट में वह नहीं खेले थे, उसमें टीम ने 336 रन के रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की थी। बुमराह ने सीरीज में खेले अपने दोनों ही मैच में एक पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा किया।

भारतीय टीम भी मैनचेस्टर में अपने स्पीड स्टार के साथ उतरना चाहेगी लेकिन वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण से न चाहते हुए भी उसे अपने स्टार को नहीं उतारने का फैसला लेना पड़ सकता है। भारत के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डोशेट भी मानते हैं कि टीम मैनचेस्टर में बुमराह को खिलाना चाहती है।

संकट में एशिया कप! ढाका की बैठक का बहिष्कार करेगा बीसीसीआई, सामने आई बड़ी वजह

नई दिल्ली ,एजेंसी। बीसीसीआई ने 24 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की वार्षिक आम बैठक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। बांग्लादेश में भू-राजनीतिक तनाव और मैदान पर बिगड़ती स्थिति के बीच, भारतीय बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर बैठक का स्थान नहीं बदला गया तो वह बैठक में पारित किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। इस साल टी20 प्रारूप में होने वाला एशिया कप अभी भी अधर में लटका हुआ है। भारत को मेज़बान देश घोषित किए जाने के बावजूद, टूर्नामेंट का न तो आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम तय किया गया है और न ही एसीसी ने इसके लिए कोई निश्चित स्थल तय किया है।

हालाँकि अटकलें सितंबर में होने की ओर इशारा कर रही हैं, लेकिन स्पष्टता की कमी ने असमंजस को और बढ़ा दिया है। 24 जुलाई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के स्थान को लेकर बीसीसीआई की कड़ी आपत्ति ने इस अफरा-तफरी को और बढ़ा दिया है। इस घटनाक्रम से वाकिफ एक सूत्र ने एएनआई को बताया कि भारत ढाका में अपने प्रतिनिधि नहीं भेजेगा और उसने पहले ही आयोजन स्थल बदलने का अनुरोध कर दिया है। लेकिन एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया न मिलने के कारण स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

सूत्र ने एएनआई को बताया कि एशिया कप तभी हो सकता है जब बैठक का स्थान ढाका से बदला जाए। उन्होंने कहा कि एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी बैठक के लिए भारत पर अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने उनसे बैठक स्थल बदलने का अनुरोध किया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अगर मोहसिन नक़वी ढाका में बैठक करते हैं, तो बीसीसीआई किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। गौरतलब है कि नक़वी वर्तमान में पीसीबी अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री दोनों हैं, और इस दोहरी भूमिका ने एशिया कप की तैयारियों के राजनीतिक पहलुओं को और जटिल बना दिया है।

टेस्ट में इतिहास बनाने से 31 रन दूर जो रूट

नई दिल्ली ,एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट टेस्ट क्रिकेट में एक ताकत रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद से, 34 वर्षीय रूट टेस्ट क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली रहे हैं और अब जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ के शानदार टेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ने की राह पर हैं। गौरतलब है कि रूट को टेस्ट क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए केवल 31 रनों की ज़रूरत है। सचिन तेंदुलकर 15921 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं, उनके बाद रिकी पोंटिंग 13378 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ क्रमशः 13289 और 13288 रनों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रूट, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 13259 रन हैं, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट में कैलिस और द्रविड़ को आसानी से पीछे छोड़ सकते हैं। वह चौथे टेस्ट में पोंटिंग को पीछे छोड़कर टेस्ट इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। शेफ़ील्ड में जन्मे रूट को केवल 119 रनों की ज़रूरत है, जो रूट जैसे कद के खिलाड़ी के लिए आसानी से हासिल किया जा सकता है। हालाँकि, सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए उन्हें तेंदुलकर को पीछे छोड़ने के लिए समय चाहिए। यह उनकी पहुँच से बाहर नहीं है, लेकिन शेफ़ील्ड में जन्मे रूट को यह महान रिकॉर्ड तोड़ने के लिए अगले कुछ वर्षों तक लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

इस बीच, रूट ने शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम के खिलाफ पाँच मैचों की सीरीज़ की धीमी शुरुआत की, लेकिन जब मुश्किलें बढ़ीं, तो उन्होंने वापसी की और लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में शतक जड़ दिया। उनके अविश्वसनीय शतक की बदौलत इंग्लैंड ने 22 रनों से जीत हासिल की और सीरीज़ में 2-1 की बढ़त बना ली। सचिन ने टेस्ट क्रिकेट में 68 अर्धशतक लगाए थे, जबकि रूट के नाम 66 अर्धशतक हैं। रूट के इस रिकॉर्ड को तोड़ने की पूरी संभावना है और अगर उनका फॉर्म साथ देता है, तो भारत के खिलाफ मौजूदा सीरीज़ में ही ऐसा हो सकता है। हालाँकि, मेहमान टीम सतर्क रहेगी क्योंकि रूट आमतौर पर मध्यक्रम में अच्छी शुरुआत मिलने के बाद रन बनाने लगते हैं। भारत इस समय पिछड़ रहा है, इसलिए उन्हें उन्हें शांत रखना होगा।

गिरोह गुजरात, आंध्रप्रदेश में कर चुका चोरी

अंतरराज्यीय गिरोह के एक आरोपी गिरफ्तार, बाइक और गहने समेत डेढ़ लाख रुपए का माल बरामद

इनकम टैक्स अफसर के घर चोरी का मामला

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में इनकम टैक्स अधिकारी महेंद्र कुमार गुप्ता के घर हुई चोरी का मामला सुलझा लिया गया है। पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चोरी की मोटरसाइकिल और सोने-चांदी के गहने समेत डेढ़ लाख रुपए का माल बरामद किया गया है। गिरोह के 4 अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

घटना 27-28 जून की रात की है। ग्रीन पार्क कालोनी में रहने वाले महेंद्र कुमार गुप्ता अपनी पत्नी के साथ बेटी को रेलवे स्टेशन छोड़ने गए थे। इसी दौरान पांच बदमाश उनके घर में घुस गए। बदमाशों ने सोने-चांदी के गहने और नकदी चुरा ली। महेंद्र गुप्ता के लौटने पर बदमाशों ने उन पर पथराव किया और फरार हो गए।

टीआई योगेंद्र सिंह परिहार के मुताबिक पुलिस ने साइबर सेल की मदद से 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज की जांच की। जांच में पता चला कि आरोपी धार जिले के गांव गुडरिया के रहने वाले हैं। टांडा थाना पुलिस की मदद से एक आरोपी शालू उर्फ शालम बमनिया (22) को गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में उसने चार और साथियों के साथ वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है।

गिरफ्तार आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि वह गुजरात और आंध्रप्रदेश में भी चोरी की घटनाओं में शामिल रहा है। उसकी निशानदेही पर चोरी की गई मोटरसाइकिल, एक जोड़ी सोने के झुमके व दो अंगूठियां बरामद की गई हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

गिरोह के अन्य सदस्यों के रूप में कैलाश मसानिया, शंकर मसानिया, नाहर सिंह मिनावा और ज्ञान सिंह मिनावा की पहचान की गई है जो फिलहाल फरार हैं। सभी ग्राम गुडरिया, थाना टांडा, जिला धार के निवासी हैं।

इस कार्रवाई के बाद थाना प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र सिंह परिहार ने बताया कि टांडा थाना स्टाफ, सायबर सेल सतना के दीपेश पटेल, हेमराज सिंह, अजीत सिंह की मदद से एक आरोपी पकड़ा गया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सतना में स्मार्ट सिटी लेक का नाम बदला, राज्यमंत्री ने जताई आपत्ति

राज्यमंत्री ने जांच की मांग की

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।सतना में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत 42 करोड़ रुपए की लागत से बने लेक नेक्टर का नाम बदलकर महामाया लेक व्यू रिसॉर्ट कर देने पर विवाद खड़ा हो गया है। नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने इस पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि नाम बदलना अनुबंध की शर्तों और प्रशासनिक प्रक्रिया का उल्लंघन है।

राज्यमंत्री ने पत्र में लिखा कि लेक नेक्टर का संचालन और रखरखाव 10 साल के लिए ठेके पर दिया गया था। लेकिन ठेकेदार ने बिना प्रशासकीय स्वीकृति के इसका नाम बदल दिया, जो अनुबंध की स्पष्ट शर्तों के खिलाफ है।

प्रतिमा बागरी ने कहा कि किसी भी सार्वजनिक स्थान या परियोजना का नाम बदलना केवल नियमित प्रक्रिया और जनप्रतिनिधियों की सहमति से ही किया जाना चाहिए। बिना जनसहमति के नाम बदलना स्थानीय संस्कृति और भावनाओं का अनादर है।

राज्यमंत्री ने आशंका जताई कि यह कार्य पीपीपी मोड की आड़ में सार्वजनिक संपत्ति के निजीकरण का प्रयास हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से जनता के पैसे का दुरुपयोग होता है और आम लोगों में भ्रम की स्थिति बनती है।

प्रतिमा बागरी ने कलेक्टर से अनुरोध किया कि मामले की विस्तृत जांच कराई जाए और दोषी ठेकेदार पर अनुबंध के तहत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णय भविष्य में स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकते हैं।

पूर्व पार्षद की कार में आग लगाई, जलकर खाक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के उंचेहरा नगर में शनिवार-रविवार की रात अज्ञात बदमाशों ने पूर्व पार्षद महेश शर्मा 'दाऊ' की कार में आग लगा दी। वार्ड नंबर 4 स्थित उनके आवास पर हुई इस घटना ने इलाके में सनसनी मचा दी। पूरी घटना उस समय हुई जब महेश शर्मा का परिवार गहरी नींद में था और बदमाशों ने इसका फायदा उठाया।

जानकारी के अनुसार, अज्ञात बदमाशों ने पहले बाउंड्री वॉल कूदकर घर के अंदर प्रवेश किया और पार्किंग में खड़ी वाहन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। जैसे ही आग की लपटें तेज़ी से उठीं, गाड़ी का सायरन बजने लगा और इससे घर के लोग जाग गए। आनन-फानन में घरवालों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गाड़ी का आधा हिस्सा जल चुका था।

चमत्कार यह रहा कि आग केवल वाहन तक सीमित रही और किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति का अधिक नुकसान नहीं हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही उंचेहरा थाना प्रभारी सतीश मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर बदमाशों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

पूर्व पार्षद महेश शर्मा का नगर में राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव होने के कारण इस घटना को रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस घटना की हर पहलू से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा किया है।

"प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'' में रेस्को पद्धति से लगेंगे सोलर सिस्टम

शासकीय भवनों की छतों पर बिना निवेश के लगेंगे सोलर रूफटॉप संयंत्र

प्रदेश के सभी शासकीय भवन दिसम्बर-2025 तक किये जाने हैं सौर ऊर्जीकृत

सभी जिलों के लिये पृथक-पृथक निविदाएँ जारी कर माँगी गयी दरें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक 500 गीगा वॉट नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में मध्यप्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित कर रहे है। इसी क्रम में "प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'' में प्रदेश के सभी शासकीय भवनों को दिसम्बर-2025 तक सौर ऊर्जीकृत किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिये तैब्व् द्वारा सभी जिलों में पृथक-पृथक निविदाएँ जारी कर दर आमंत्रित की गयी है।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बताया है कि "प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना'' में प्रदेश में राज्य शासन के भवनों की छतों पर रेस्को पद्धति अंतर्गत सोलर रूफ़टॉप संयंत्र लगाने हैं। शासकीय विभागों को इन सौर परियोजनाओं में कोई निवेश नहीं करना होगा। शासकीय कार्यालयों द्वारा ऊर्जा के उपयोग के लिए रेस्को विकासक को प्रति यूनिट भुगतान करना होगा। रेस्को द्वारा लगाये गये संयंत्र की प्रति यूनिट दर विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा निर्धारित व्यवसायिक दर (जिसमें शासकीय कार्यालय भी शामिल हैं) से काफी कम होगी। इस प्रकार शासकीय कार्यालय "शून्य निवेश, पहले दिन से बचत, नेट जीरो'' के सिद्धांत पर कार्य कर सकेंगे।

रेस्को परियोजना अंतर्गत म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा प्रत्येक जिले के लिए पृथक-पृथक निविदा जारी की गई है। इसमें रेस्को विकासकों से प्रत्येक जिले के लिए पृथक-पृथक दर माँगी गई है। प्रत्येक जिले की न्यूनतम दर के आधार उस जिले में रेस्को परियोजनाएँ स्थापित होंगी। भोपाल जिले में अधिकतम 15.6 मेगावाट की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, जबकि ग्वालियर जिले में 5.26 मेगावाट, इंदौर जिले में 3.12 मेगावाट, छिंदवाड़ा जिले में 1.43 मेगावाट, दतिया जिले में 1.4 मेगावाट, धार जिले में 1.34 मेगावाट की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं।

शासकीय विभागों/संस्थाओं के भवन पर रेस्को इकाई द्वारा 25 वर्ष की अवधि के लिये सोलर रूफ़टॉप संयंत्र स्थापित किये जायेंगे। इस पूरी अवधि तक सोलर रूफ़टॉप संयंत्र का रख-रखाव रेस्को इकाई द्वारा किया जाएगा। रेसको की आय पूरी तरह से 25 वर्ष तक सौर ऊर्जा के उत्पादन पर आधारित है। इससे रेस्को विकासक सौर संयंत्र से अधिकतम उत्पादन की कोशिश करेंगे, जिससे शासकीय विभागों को अधिकाधिक लाभ होगा।

नवकरणीय ऊर्जा मंत्री शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2018 से 2020 के बीच म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा राज्य में 133 शासकीय कार्यालयों में सफलतापूर्वक रेसको पद्धति से सोलर रूफ़टॉप संयंत्र लगाए, जो सफलतापूर्वक संचालित हैं। इसमें आईआईएम इन्दौर, कैप्ट भोपाल, शासकीय मेडिकल कॉलेज (रीवा, शिवपुरी, खण्डवा, दतिया, विदिशा), एनएलआईयू भोपाल, एजी कार्यालय ग्वालियर, एसएआई भोपाल, भारत सरकार का पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन आदि शामिल हैं। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सफल एवं दक्षतापूर्ण क्रियान्वयन से निश्चित ही प्रदेश सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में होगा।

नाले में गिरी गाय, स्थानीय युवकों व निगम कर्मचारियों ने किया रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के ईदगाह चौराहा क्षेत्र में शनिवार रात एक गाय नाले में गिर गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत नगर निगम को सूचना दी। निगम के न पहुंचने पर दो युवक नाले में उतरे और रस्से की मदद से गाय को बचाने की कोशिश की। एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया को सोशल मीडिया से घटना की जानकारी मिली। उन्होंने नगर निगम की टीम को सूचित किया। इसके बाद निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर गाय को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गाय अचानक चलते-चलते खुले नाले में गिर गई थी। राहगीरों ने निगम को सूचना दी। काफी देर तक कोई मदद नहीं पहुंची। स्थानीय युवकों ने अपनी जान की परवाह किए बिना रेस्क्यू शुरू किया। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। करीब एक घंटे की मेहनत के बाद गाय को सुरक्षित निकाल लिया गया।

पहले बर्तन चमकाए, फिर चेन-अंगूठी लेकर फरार

जेवर साफ करने के बहाने चोरी, पानी लाने गए, तो चोर भागा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। धवारी इलाके में जेवर साफ करने के नाम पर एक व्यक्ति के साथ ठगी का मामला सामने आया है। शनिवार को चोर युवक धर्मेंद्र यादव के घर पहुंचा। उसने खुद को पीतल-तांबा साफ करने वाला बताया।

युवक ने एक पाउडर दिखाकर कहा कि वो पुरानी धातु को चमका सकता है। धर्मेंद्र ने पहले कुछ तांबे के बर्तन साफ करवाए। इससे प्रभावित होकर उन्होंने अपनी सोने की चैन और अंगूठी भी साफ करने को दे दी।

ठग ने जेवरात को एक लिक्विड में डाला और फिर पीने का पानी मांगा। जब धर्मेंद्र पानी लेने घर के अंदर गए, तो युवक जेवर लेकर फरार हो गया। धर्मेंद्र ने आसपास तलाश की, लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं मिला।

पीड़ित ने सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शहर में जेवर साफ करने के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह फिर से सक्रिय हो गया है।

जन्म दिवस के अवसर राज्यमंत्री ने किया पौधरोपण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने रविवार को जन्म दिवस के अवसर पर विधानसभा कार्यालय सतना में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराया। राज्यमंत्री ने कहा कि हर एक पौधा सिर्फ हरियाली नहीं, बल्कि जीवन, आशा और आने वाले कल की सुरक्षा है। आइए हम सब मिलकर प्रकृति के संरक्षण की इस पुनीत मुहिम को और मजबूत बनाएं।

मानव सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है-प्रतिमा बागरी: नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के जन्म दिवस के अवसर पर रविवार को जिला अस्पताल सतना में रक्तदान तथा मरीजों के लिए फल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्यमंत्री के साथ जिला अस्पताल पहुंचे उनके समर्थकों तथा टीम के सदस्यों ने रक्तदान कार्यक्रम में बढ-चढकर हिस्सा लेते हुए रक्तदान किया। राज्यमंत्री ने जिला अस्पताल तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोठी में भर्ती मरीजों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना तथा फल भेंटकर मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राज्यमंत्री ने कहा कि जीवन में मानव सेवा से बढकर कोई कार्य नहीं है। रक्तदान जीवन दान है, जो हमारे द्वारा किया गया रक्तदान कई जिन्दगियों को बचाता है। इस बात का अहसास हमें तब होता है, जब हमारा कोई अपना खून की कमी होने पर जिदंगी और मौत के बीच जूझता है। जिनमें गर्भवती महिलाएं, किशोरी, बालक-बालिकाएं या दुर्घटना से ग्रस्त कोई भी व्यक्ति हो सकता है। राज्यमंत्री ने कहा कि देशभर में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने के प्रयास किये जा रहें है, अब यह प्रयास सार्थक होंगे।

ग्राम नैना में किया वृक्षारोपण: नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी रविवार को ग्राम पंचायत नैना में एम.पी. बिरला प्रबंधन द्वारा आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान कार्यक्रम में शामिल हुई। जन्म दिवस के अवसर पर उन्होंने वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही पोषण किट वितरण एवं मेधावी छात्र सम्मान समारोह कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए ज़रूरतमंदों को पोषण किट वितरित किया तथा प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर शुभकामनाएं दी। राज्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण, पोषण जागरूकता एवं शिक्षा को प्रोत्साहन सहित तीनों ही क्षेत्रों में एक प्रेरणादायक पहल है। मेरे जन्मदिवस के अवसर पर समाज व प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाने का यह अवसर मिलना मेरे लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय रहा।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गुजरात के राजकोट से गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। बदेरा थाना क्षेत्र से लापता हुई नाबालिग को पुलिस ने राजकोट, गुजरात से बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। मामले में 17 जून को पीड़िता के परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी नाबालिग बेटी बिना बताए घर से चली गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने 18 जुलाई को नाबालिग को राजकोट से बरामद किया। पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे बहला-फुसलाकर राजकोट ले गया। वहां उसने शारीरिक संबंध भी बनाए। पुलिस ने आमातारा गांव के राधे

उर्फ नवनीत पाल 26 वर्षीय आरोपी को राजकोट से गिरफ्तार किया। उस पर पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 5रु6 के तहत केस दर्ज किया गया है। एसपी मैहर सुधीर कुमार अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी बदेरा निरीक्षक अभिषेक सिंह परिहार के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। टीम में उपनिरीक्षक आर.एन. रावत, अरविंद सिंह, सूर्य भान ठकुरिया समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।